



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
रखें करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 39 ग्वालियर, बुधवार 09 सितंबर 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मध्यप्रदेश उद्योग क्षेत्र में आशाओं और असीम अवसरों की धरती

निवेशकों को देंगे आवश्यकतानुसार नीतियों (पॉलिसी) में छूट : डॉ. यादव

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए 2700 से अधिक नियमों और लगभग 900 कानूनों को समाप्त कर उद्योग और व्यापार-व्यवसाय क्षेत्र को सरल, सुगम बनाने का प्रयास किया है। इस कदम से उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बना है। निर्धारित नीतियों के अंतर्गत और आवश्यकता होने पर निवेशकों को नीतियों में आवश्यक छूट दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को दुबई में 'इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्ट इन

मध्यप्रदेश' को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कार्य पद्धति के आधार पर दुनियाभर में रहने वाला भारतीय समुदाय आज स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते राज्य को विकास के नए आयाम दिए। अब उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया हमारी अर्थव्यवस्था की शक्ति देख रही है। दुबई वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र माना जाता है। यूएई से अफ्रीका और एशिया के साथ



यूरोप में व्यापार होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश दुनिया का इकलौता राज्य है, जहां हीरे और स्वर्ण भंडार मौजूद हैं। अफ्रीका के बाद मध्यप्रदेश एक मात्र धरती है, जहां

कटनी और सिंगरौली में सोने की खदान मिली है। मध्यप्रदेश में माइनिंग क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। निवेशक यहां आएँ और अपने व्यापार-व्यवसाय के राज्य को समृद्ध बनाएं। होटल व्यवसाय शुरू करने पर मध्यप्रदेश सरकार 30 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी उपलब्ध करवा रही है। दुनिया की सबसे सस्ती बिजली 2.17 पैसे प्रति यूनिट बिजली मध्यप्रदेश उपलब्ध करवा रहा है। हमारी सरकार ग्रीन एनर्जी को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आशाओं और

असीम संभावनाओं की धरती है। नवाचार, विकास और साझा समृद्धि की सोच हमें जोड़ती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को जीआईएस-2027 का निमंत्रण देते हुए कहा कि देश की सबसे अच्छी एप्लिकेशन पॉलिसी मध्यप्रदेश में है। मध्यप्रदेश से यूएई और अबुधाबी के लिए सीधी एयर कनेक्टिविटी हो गई है। हमारी सरकार प्रति फ्लाइट वीजीएफ भी दे रही है। अगले महीने प्रदेश से शारजाह से भी उड़ान सेवा शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उनकी निरंतर दूसरे वर्ष दुबई की यात्रा है। इसके पहले

पर्यटन निगम के अध्यक्ष के नाते भी दुबई आने का अवसर मिला था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं और प्रदेश की विशेषताओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार में लगभग 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर नजर आने लगे हैं। मध्यप्रदेश से आज 76 हजार करोड़ से अधिक का निर्यात हो रहा है। देश में सबसे तेज विकास दर और बेरोजगारी को खत्म करने की दर मध्यप्रदेश की है।

नाले की जाली हटाने पहुंचे सहायक जेडओ से मारपीट, पेट्रोल पंप संचालक पर एफआईआर

ट्रांसपोर्ट नगर में जलभराव की समस्या दूर करने गए थे निगम अधिकारी, कचरा हटाने को लेकर हुआ विवाद

ग्वालियर जीएनएस

ट्रांसपोर्ट नगर में जलभराव की समस्या दूर करने के लिए नांले की सफाई कराने पहुंचे नगर निगम के सहायक क्षेत्राधिकारी (जेडओ) के साथ पेट्रोल पंप संचालक द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। सहायक जेडओ की शिकायत पर बहोड़ापुर थाना पुलिस ने पेट्रोल पंप संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

नगर निगम अधिकारियों ने ट्रांसपोर्ट नगर का भ्रमण कर जलभराव की समस्या देखी थी। आमजन की शिकायत के बाद अधिकारियों ने समस्या दूर करने के

निर्देश दिए थे। इसी के तहत 26 अगस्त को सहायक क्षेत्राधिकारी अंशुमन सिंह तोमर वार्ड हेल्थ ऑफिसर और सहायक वार्ड हेल्थ ऑफिसर के साथ नांले की सफाई करा रहे थे। इस दौरान उन्हें पता चला कि ट्रांसपोर्ट नगर और मार्केट का पानी भदौरिया पेट्रोल पंप के सामने नांले में लगी जाली में फंसे कचरे और कपड़ों के कारण आगे नहीं निकल पा रहा है। सहायक क्षेत्राधिकारी ने जाली हटाने के लिए कहा तो पेट्रोल पंप संचालक ने विवाद करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद सहायक क्षेत्राधिकारी ने मामले की जानकारी नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को दी। अधिकारियों के निर्देश पर उन्होंने बहोड़ापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाणिज्यिक कर विभाग ने वेबसाइट पर शुरू किया सूचना मॉड्यूल, कार्रवाई की स्थिति भी देख सकेंगे

मोबाइल से घर बैठे दे सकेंगे कर चोरी की सूचना, पहचान रहेगी गोपनीय

ग्वालियर। कर चोरी और कर अपवचन पर अंकुश लगाने के साथ आमजन की भागीदारी बढ़ाने के लिए वाणिज्यिक कर विभाग ने अपनी वेबसाइट पर 'इन्फॉर्मेशन मॉड्यूल/टेक्स इवेजन्स इन्फॉर्मेशन' सुविधा शुरू की है। अब नागरिक और ईमानदारी से कारोबार करने वाले करदाता अपने मोबाइल से घर बैठे कर चोरी से जुड़ी तथ्यात्मक और जांच योग्य जानकारी विभाग तक पहुंचा सकेंगे। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम, मोबाइल नंबर और अन्य व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

राज्य कर संयुक्त आयुक्त वाणिज्यिक कर मधुलिका सिंह ने बताया कि वेबसाइट के होम पेज

पर उपलब्ध इन्फॉर्मेशन मॉड्यूल के जरिए पहली बार सूचना देने वाले व्यक्ति 'न्यू यूजर? रजिस्टर हियर' विकल्प से पंजीयन कर सकते हैं। मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी से लॉगिन करने के बाद संबंधित फर्म या कारोबारी की जानकारी दर्ज कर सूचना भेजी जा सकेगी।

फोटो-दस्तावेज भी कर सकेंगे अपलोड : सूचना देते समय संबंधित प्रतिष्ठान का जीएसटीआईएन या पैन, व्यवसाय अथवा गोदाम का वास्तविक पता और उपलब्ध साक्ष्य के रूप में फोटो या दस्तावेज भी संलग्न किए जा सकेंगे। विभाग ने फोटो लेते समय मोबाइल की लोकेशन सुविधा चालू रखने की सलाह दी है, ताकि संबंधित स्थल का

सत्यापन प्रभावी ढंग से किया जा सके।

कार्रवाई की स्थिति भी ऑनलाइन : सूचना देने वाला व्यक्ति अपनी शिकायत पर हुई कार्रवाई की स्थिति भी ऑनलाइन देख सकेंगे। वेबसाइट के 'इन्फॉर्मेशन स्टेटस' विकल्प के जरिए यह पता लगाया जा सकेगा कि सूचना विभागीय स्तर पर किस स्थिति में है। विभाग प्राप्त जानकारी का उपलब्ध अभिलेखों और विधिक प्रावधानों के अनुसार परीक्षण करेगा और आवश्यकता होने पर कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने नागरिकों से केवल सही, तथ्यात्मक और जांच योग्य जानकारी देने की अपील की है। अफवाह, अनुमान या व्यक्तिगत

रजिंश के आधार पर शिकायत नहीं करने को कहा गया है। साथ ही एक ही मामले में बार-बार सूचना भेजने, अस्पष्ट फोटो-दस्तावेज लगाने तथा जीएसटीआईएन, पैन या व्यवसाय स्थल का पता जैसी जरूरी जानकारी छेड़ने से बचने की अपील की गई है।

ऐसे भेजे सूचना विभाग की वेबसाइट खोलें। 'इन्फॉर्मेशन मॉड्यूल' विकल्प चुनें।

'न्यू यूजर? रजिस्टर हियर' से पंजीयन करें।

मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी से लॉगिन करें।

आवश्यक जानकारी, फोटो और दस्तावेज संलग्न कर सूचना सबमिट करें।

दूरबीन विधि से जटिल ऑपरेशन भी आसान, 3डी व रौबोटिक सर्जरी पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

दतिया जीएनएस

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया के शल्य चिकित्सा विभाग की ओर से मंगलवार को चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में 'लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में हालिया प्रगति' विषय पर एक दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दूरबीन विधि से होने वाली सर्जरी में आधुनिक तकनीकों, उपकरणों और बदलते उपचार तरीकों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी के प्रोफेसर डॉ. राजीव सिन्हा तथा गजराजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर के प्रोफेसर डॉ. अचल गुप्ता रहे। विशेषज्ञों ने न्यूनतम चीरे वाली शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम बदलावों और उनके व्यावहारिक उपयोग पर विस्तार से चर्चा की।

3डी और रौबोटिक सर्जरी पर जोर : सीएमई के दौरान 3डी लेप्रोस्कोपी, रौबोटिक असिस्टेड सर्जरी और लेजर



आधारित सर्जिकल प्रक्रियाओं के बढ़ते उपयोग के बारे में जानकारी

दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि आधुनिक तकनीकों के कारण

जटिल से जटिल ऑपरेशन भी छोटे चीरे के माध्यम से किए जा रहे हैं। इससे मरीज को अपेक्षाकृत कम दर्द होता है, रक्तस्राव कम होता है और ऑपरेशन के बाद रिकवरी भी तेजी से होती है।

कम खर्च में बेहतर उपचार का लक्ष्य : महाविद्यालय के अधिष्ठाता (डीन) डॉ. दीपक एस. मरावी ने कहा कि दतिया मेडिकल कॉलेज क्षेत्र के मरीजों को न्यूनतम खर्च में विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए

निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी बदलावों से चिकित्सकों और विद्यार्थियों को अवगत कराना समय की आवश्यकता है।

शल्य चिकित्सा विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. के.एन. आर्या ने कार्यक्रम में आए विशेषज्ञों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। सीएमई में चिकित्सा महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ तथा मेडिकल छात्र उपस्थित रहे।

ग्वालियर पुलिस की अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही

भट्टी खोदकर कच्ची शराब का निर्माण कर रहे तीन आरोपियों को पुलिस ने अवैध कच्ची शराब सहित किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देश पर जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में अवैध शराब बनाने वाले तथा अवैध शराब की खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देशों के अनुरूप में आज दिनांक 08.09.2026 को थाना पिछोर पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि चिरली ताल की पार के पास ग्राम चिरली का माईकल जाट अपने अन्य दो साथियों के साथ अवैध कच्ची शराब बना रहा है। उक्त सूचना से वरिष्ठ

अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर से अति० पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री जयराज कुबेर द्वारा थाना पिछोर पुलिस को मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में एसडीओपी डबरा श्री सौरभ कुमार के कुशल मार्गदर्शन में डबरा सर्कल के पुलिस बल की संयुक्त टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर कार्यवाही हेतु भेजा गया। पुलिस टीम को मौके पर जाकर देखा तो तीन व्यक्ति चिरली ताल की पार नाले के बगल से जमीन में भट्टी खोदकर उपकरणों के सहारे अवैध

कच्ची शराब को उतारते हुए दिखे, जिन्हे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पुलिस टीम को मौके पर भट्टी के बगल से तीन प्लास्टिक की कट्टी मिली जिन्हे खोलकर चेक करने पर उनमें अवैध कच्ची शराब भरी हुई मिली।
पकड़े गये तीनों व्यक्तियों से नाम व पता पूछने पर उन्होंने अपने नाम (1) प्रताप उर्फ माईकल जाट पुत्र जालिम सिंह जाट उम्र 59 साल निवासी ग्राम चिरली, (2) रामू पुत्र चिम्मन लाल बाल्मीक उम्र 58 साल निवासी चिरली, (3) वीरू बाल्मीक पुत्र सोमप्रकाश बाल्मीक उम्र 40 साल निवासी बौना थाना

आंतरी जिला ग्वालियर का होना बताया। पकड़े गये तीनों व्यक्तियों से उक्त हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब के संबंध में पूछताछ करने पर उनके द्वारा संयुक्त रूप से अवैध कच्ची शराब विक्रय करने हेतु उत्पादन व भंडारण करना बताया। पकड़े गये तीनों आरोपीगणों का यह कृत्य धारा 34(2),49(क) आबकारी एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से आरोपीगणों के कब्जे से तीन प्लास्टिक की कट्टी में हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब कुल 90 लीटर की बनी कच्ची शराब लम्बग 09 हजार रुपये, अवैध कच्ची शराब विनिर्मित करने की सामग्री एक एल्युमीनियम की कढ़ाई, मिट्टी का फ्रस्टमनुमा पात्र, एक छेद बाला लोहे का ड्रम, एक प्लास्टिक का कटा हुआ पुराना कनस्टर, एक काँच की खाली बोतल, एक छोटी प्लास्टिक की

तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना पिछोर में अप०क्र०-188/26 धारा 34(2),49(क) आबकारी एक्ट आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।
जस मशरूका:- तीन प्लास्टिक की कट्टी में हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब कुल 90 लीटर की बनी कच्ची शराब लम्बग 09 हजार रुपये, अवैध कच्ची शराब विनिर्मित करने की सामग्री एक एल्युमीनियम की कढ़ाई, मिट्टी का फ्रस्टमनुमा पात्र, एक छेद बाला लोहे का ड्रम, एक प्लास्टिक का कटा हुआ पुराना कनस्टर, एक काँच की खाली बोतल, एक छोटी प्लास्टिक की

बाल्टी, रबर की लेजम कुल जस मशरूका कीमती लगभग 19 हजार रुपये को किया जस।
सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में थाना पिछोर पुलिस टीम- थाना प्रभारी पिछोर उनि० शिवम सिंह राजावत, सउनि० सुरेश सरवरिया, आर० रमाशंकर गुर्जर, शिवम गुप्ता, महेन्द्र मिश्रा, राकेश रावत, भरत साहू, भानु रावत, महेंद्र पटवा, थाना गिजोरा पुलिस टीम- थाना प्रभारी गिजोरा उनि० उपेन्द्र धाकड़, आर० मनोज, त्रिषि, भूपेन्द्र, चौकी टेकनपुर टीम- उनि० धर्मेन्द्र सिंह यादव, आर० जयकिशन, सैनिक रनवीर सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता के लिए जागरूकता कार्यशाला आयोजित



ग्वालियर, जीएनएस।
इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2026-28 में जिले के अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी और पंजीयन कराने के उद्देश्य से शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में युवाओं को प्रतियोगिता की प्रक्रिया, विभिन्न स्तरों पर मिलने वाले अवसर और पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

कार्यशाला में जानकारी दी गई कि इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2026-28 में पंजीयन की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 है। युवाओं से अपील की गई है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं। अपने कौशल का प्रदर्शन करें। साथ ही मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन करें। कार्यशाला में विद्यार्थियों को बताया गया कि वे अपने कौशल और प्रतिभा को जिला स्तर से आगे राज्य, क्षेत्रीय

और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित कर सकते हैं। कार्यशाला में अधिकारियों और संस्थानों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने संस्थानों में जागरूकता-सह-पंजीयन शिविर आयोजित करने का आग्रह किया गया। इन शिविरों के माध्यम से पात्र और इच्छुक युवाओं का अधिक से अधिक पंजीयन कराने के लिए कहा गया।
इस अवसर पर संभागीय आईटीआई ग्वालियर के प्राचार्य श्री सचिन कौरव तथा क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर के सहायक संचालक श्री नरेश कुमार और श्री अमिताभ गुप्ता उपस्थित रहे। सहायक संचालक श्री आशु कुमार साहू, प्रशिक्षण अधीक्षक (तकनीकी) श्री राजेश शर्मा और प्रशिक्षण अधिकारी श्री ललित चौकीकर ने जानकारी दी। जिला कौशल समन्वयक, आईटीआई और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि तथा विद्यार्थी भी कार्यशाला में शामिल हुए।

ग्वालियर में शुरू होगा 'गीता भवन' का संचालन, स्थान तय

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर में भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप 'गीता भवन' की स्थापना होने जा रही है। राज्य शासन द्वारा इसके लिये भवन की व्यवस्था कर दी गई है। सिटी सेंटर क्षेत्र में शिवाजी पार्क के समीप स्थित बहुउद्देश्यीय सांस्कृतिक कला संकुल भवन में 'गीता भवन' संचालित होगा।
लंबे समय से यह संकुल भवन अनुपयोगी था। नगर निगम द्वारा इस भवन को गीता भवन के लिये उपलब्ध कराने का आग्रह जिला प्रशासन से किया गया था। इस कड़ी में जिला प्रशासन

द्वारा यह भवन 'गीता भवन' के लिये उपलब्ध कराने का प्रस्ताव राज्य शासन के संस्कृति विभाग को भेजा गया था। इस तारतम्य में मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद ने बहुउद्देश्यीय सांस्कृतिक कला संकुल में 'गीता भवन' स्थापित करने के लिये भवन जिला प्रशासन को सौंपने का निर्णय लिया है। संस्कृति परिषद के संयुक्त संचालक श्री एम.पी. नामदेव ने पत्र के माध्यम से कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका चौहान को इस निर्णय की जानकारी दी है। ज्ञात हो भारत सरकार की बहुउद्देश्यीय सांस्कृतिक कला

संकुल योजना के तहत केन्द्र एवं राज्य शासन के अंशदान से इस कला संकुल का निर्माण किया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बताया कि अब यह संकुल भवन नगर निगम को सौंपा जायेगा। जिससे वहाँ पर राज्य शासन द्वारा 'गीता भवन' के लिये निर्धारित की गई गतिविधियां शुरू हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि 'गीता भवन' के माध्यम से श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान एवं जीवन मूल्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। यहां गीता के अध्ययन, पाठ, प्रवचन, व्याख्यान, संवाद एवं अन्य ज्ञानवर्धक और

सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन हो सकेगा। साथ ही युवाओं एवं आमजन को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और जीवन के आदर्शों से जोड़ने के लिये विभिन्न गतिविधियां संचालित की जायेंगी। गीता भवन की स्थापना से ग्वालियर में भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिये एक महत्वपूर्ण केन्द्र विकसित होगा। यहां आयोजित होने वाली गतिविधियों से समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर युवा पीढ़ी को श्रीमद्भगवद्गीता के संदेश और उसके जीवनोपयोगी मूल्यों को समझने का अवसर मिलेगा।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, ग्रेटर ग्वालियर द्वारा आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस।
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर द्वारा रविवार को शहर के समीप स्थित रॉयल माइलस्टोन रिसोर्ट में पारिवारिक पूल पार्टी एवं पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रूप परिवार के 325 से अधिक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पूल पार्टी, रेन डांस, मनोरंजक खेलों और विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया।
कार्यक्रम का आयोजन रूप के सभी सदस्यों और उनके परिवारों को ध्यान में रखते हुए किया गया था।

रिमझिम बारिश और खुशनुमा मौसम के बीच सदस्यों ने जमकर मस्ती की और पूरे दिन पारिवारिक माहौल में एक-दूसरे के साथ समय बिताया। पूल पार्टी के बाद विभिन्न मनोरंजक एवं पारिवारिक गेम्स आयोजित किए गए, जिनमें चेयर रेस, कपल डांस, बच्चों की चम्मच रेस, बच्चों की चेयर रेस सहित अनेक गेम्स शामिल रहे। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रेन डांस, कपल डांस और बच्चों की चेयर रेस रहे। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

खेल एवं मनोरंजन के पश्चात सभी सदस्यों ने स्वादिष्ट दाल-बाटी का सामूहिक रूप से आनंद लिया।
रूप परिवार के सदस्यों ने कहा कि इस तरह के आयोजन आपसी प्रेम, सौहार्द और पारिवारिक रिश्तों को और मजबूत करते हैं। यह पारिवारिक मिलन समारोह सभी सदस्यों के लिए नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आया। सभी ने अपने परिवार के साथ पूल पिकनिक और मस्ती के इस आयोजन को यादगार बताया। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष अनुपम चौधरी, पूर्व अध्यक्ष मुकेश जैन, संजय जैन, आशीष जैन, शीतल जैन, वर्तमान

अध्यक्ष रश्मि जैन, बैंक अध्यक्ष आशीष जैन, अध्यक्ष अमित जैन भंडारी, कोषाध्यक्ष रूपेश जैन, सचिव अभिषेक जैन सहित गगन जैन, मनीष जैन, पीयूष जैन, दिनेश जैन, धर्मेन्द्र जैन, सुनील जैन, प्रदीप जैन, जितेंद्र जैन, शांतनु जैन, अक्षत जैन, कमल जैन, रवि जैन, प्रशांत जैन, मयंक जैन, महिमा चौधरी, पल्लवी जैन, अंजू जैन, अंकित जैन, अमृत जैन, प्रियंका जैन, राखी जैन, रेखा जैन, मिनी जैन, सुनैना जैन, ममता जैन, कमलेश जैन, मयूरी जैन, दीप जैन सहित बड़ी संख्या में रूप परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

आरडीएसएस से मजबूत हो रहा विद्युत नेटवर्क, 33/11 केवी उपकेंद्रों और ट्रांसफॉर्मर क्षमता वृद्धि के कार्यों में तेजी

भोपाल, जीएनएस।
ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने और भविष्य की विद्युत मांग को ध्यान में रखते हुए आरडीएसएस योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। योजना के तहत नए 33/11 केवी उपकेंद्रों के निर्माण, पावर ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि तथा 33 केवी लाइनों के विस्तार के कार्य प्रगति पर हैं। कंपनी के

विभिन्न सर्किलों में 31 नए 33/11 केवी उपकेंद्रों का कार्य प्रस्तावित है, जिनमें से 10 उपकेंद्रों का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष उपकेंद्रों पर भी निर्माण एवं संबंधित कार्य तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं।
332.6 किलोमीटर 33 केवी लाइन का कार्य पूर्ण
आरडीएसएस के तहत कंपनी द्वारा विद्युत नेटवर्क के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए कुल 722.6 किलोमीटर 33 केवी लाइन का प्रावधान किया गया है। इसमें से अब तक 332.6 किलोमीटर

लाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। नई 33 केवी लाइनों से आगामी समय में विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की क्षमता और विश्वसनीयता बढ़ेगी।
ट्रांसफॉर्मर क्षमता बढ़ाकर भविष्य की मांग के लिए तैयारी
योजना के तहत विभिन्न 33/11 केवी उपकेंद्रों में पावर ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ाने के कार्य भी किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार 3.15 एमवीए क्षमता वृद्धि के 78 कार्यों में 60, 5

एमवीए के 17 में से 16, जबकि 3.15 से 5 एमवीए क्षमता वृद्धि के 80 में से 63 कार्य पूरे किए जा चुके हैं।
इसी प्रकार 5 से 8 एमवीए के सभी 4, 8 से 10 एमवीए के सभी 5 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। 5 से 10 एमवीए क्षमता वृद्धि के 92 कार्यों में से 73 कार्य भी पूरे किए जा चुके हैं।
आरडीएसएस के अंतर्गत किए जा रहे ये कार्य विद्युत प्रणाली की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ ओवरलोडिंग कम करने, वोल्टेज सुधारने, नए क्षेत्रों की बढ़ती विद्युत

मांग को पूरा करने तथा आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
कंपनी द्वारा उपकेंद्र, ट्रांसफॉर्मर और 33 केवी लाइन के कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। आगामी चरण में शेष कार्यों को गति देकर मजबूत, आधुनिक और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विद्युत वितरण नेटवर्क तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।
► 31 नए 33/11 केवी उपकेंद्र प्रस्तावित, 10 पूर्ण

► 722.6 किमी 33 केवी लाइन में 332.6 किमी कार्य पूर्ण
► 3.15 एमवीए क्षमता वृद्धि के 60 कार्य पूर्ण
► 5 एमवीए के 16 कार्य पूर्ण
► 3.15 से 5 एमवीए के 63 कार्य पूर्ण
► 5 से 8 एमवीए के सभी 4 कार्य पूर्ण
► 8 से 10 एमवीए के सभी 5 कार्य पूर्ण
► 5 से 10 एमवीए के 73 कार्य पूर्ण

जन अभियान परिषद ने किया जिला स्तरीय कार्यक्रम में व्याख्यान माला का आयोजन

महर्षि अरविंद के विचारों से युवा पीढ़ी को नई दिशा देने का आह्वान

ग्वालियर, जीएनएस।

जन अभियान परिषद द्वारा महर्षि श्री अरविंद जी की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय व्याख्यान माला एवं जयंती समारोह का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान माला मुरार स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 में आयोजित हुई। कार्यक्रम में महर्षि अरविंद के जीवन, दर्शन, राष्ट्र चिंतन एवं युवाओं के लिए उनके विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मधुसूदन भदौरिया रहे। बीते रोज आयोजित हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आदर्श गौशाला लाल टिपारा के पूज्य संत श्री ऋषभानंद

जी महाराज ने की। मुख्य वक्ता के रूप में विवेकानंद केंद्र के वरिष्ठ समाजसेवी श्री अजय शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक श्री सुशील बरुआ, जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र दीक्षित उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा महर्षि अरविंद एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक श्री सुशील बरुआ ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महर्षि अरविंद का जीवन राष्ट्रभक्ति, आध्यात्मिक



चेतना और मानव कल्याण की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि व्याख्यान माला का उद्देश्य युवाओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों को महर्षि अरविंद के विचारों से परिचित कराकर उनके चिंतन को वर्तमान सामाजिक एवं राष्ट्रीय जीवन से जोड़ना है। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों

का स्वागत किया। जीडीए के अध्यक्ष श्री मधुसूदन भदौरिया ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए महर्षि अरविंद के विचारों को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए कहा कि उनके जीवन से राष्ट्रभक्ति, आत्मविश्वास, आध्यात्मिक चेतना और समाज के प्रति समर्पण की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने युवाओं से महर्षि अरविंद के

विचारों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूज्य संत श्री ऋषभानंद जी महाराज ने महर्षि अरविंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अरविंद जी ने भारत की स्वतंत्रता के साथ-साथ राष्ट्र के आध्यात्मिक उत्थान का भी सपना देखा था। उन्होंने युवाओं से उनके बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता श्री अजय शर्मा ने महर्षि अरविंद के जीवन परिचय और उनके राष्ट्रवादी चिंतन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने महर्षि अरविंद के जीवन से जुड़े अनेक प्रेरक प्रसंग एवं दृष्टांत उपस्थित लोगों के समक्ष प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि महर्षि

अरविंद का चिंतन केवल एक व्यक्ति या कालखंड तक सीमित नहीं है, बल्कि आज भी युवाओं को जीवन के उच्च उद्देश्यों की ओर प्रेरित करता है। कार्यक्रम का संचालन श्री मनोज दुबे ने किया तथा आभार प्रदर्शन जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र दीक्षित द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी श्री हरिओम गौतम, राजकुमार प्रजापति, उल्फत सिंह कुशवाह, आनंद यादव सहित जन अभियान परिषद से जुड़ी सभी नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाता एवं छात्रों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ग्वालियर जिले के युवा भी 'विकसित भारत क्विज़' में ले सकते हैं भाग

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर जिले के युवा भी 30वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-विकसित भारत युवा संवाद में भाग ले सकते हैं। 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी, नेतृत्व, नवाचार एवं रचनात्मक चिंतन का अवसर देने के उद्देश्य से 'माय भारत' पोर्टल पर 22 भाषाओं में 'विकसित भारत क्विज़' आयोजित की जा रही है। इसमें भारत, भारतीय विरासत, उपलब्धियों, विकास यात्रा तथा 'विकसित भारत 2047' से जुड़े विषयों पर प्रतिभागियों के ज्ञान एवं समझ का परीक्षण होगा।

ज्ञात हो राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन वर्ष 1995 से प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर किया जाता है। वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप

इसका पुनर्गठन 'विकसित भारत युवा संवाद' के रूप में किया गया। इसी क्रम में 'विकसित भारत चुनौती टैक' के अंतर्गत चयनित युवा विभिन्न चरणों से आगे बढ़ेंगे। स्टेज-टु क्विज़ 17 अगस्त से 30 सितंबर 2026, स्टेज-टुट्टू निबंध 5 से 9 अक्टूबर, स्टेज-टुट्टू जिला क्विज़ एवं प्रस्तुतीकरण 10 से 16 नवंबर, स्टेज-टुट्टू राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा 17 नवंबर से 7 दिसंबर 2026 तथा स्टेज-टुट्टू राष्ट्रीय संवाद 10 से 12 जनवरी 2027 तक होगा। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित युवाओं को प्रधानमंत्री के समक्ष अपने विचार, विजन एवं सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। जिला युवा अधिकारी श्रीमती अंजली कुमारी एवं सफल युवा मंडल अध्यक्ष अरविंद कुशवाह ने युवाओं से क्विज़ में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल (विवेकानंद प्रखंड) की बैठक सिंधे की छावनी में संपन्न

ग्वालियर, जीएनएस।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) एवं बजरंग दल, विवेकानंद प्रखंड की एक आवश्यक बैठक आज सिंधे की छावनी पर संपन्न हुई। आगामी स्थापना दिवस को भव्य रूप से मनाने और संगठन की रूपरेखा तैयार करने हेतु यह बैठक जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख एवं विवेकानंद प्रखंड प्रभारी श्री सूरज शाक्य जी के नेतृत्व में आयोजित की गई।

बैठक में प्रमुख उपस्थिति

- मुख्य अतिथि - श्री कृष्ण कुमार रावत जी (जिला मंत्री, विहिप-बजरंग दल)
- विशेष अतिथि - श्री आकाश रजक जी (जिला सेवा प्रमुख, विहिप-बजरंग दल)
- बैठक नेतृत्वकर्ता - श्री सूरज शाक्य जी (जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख एवं प्रखंड प्रभारी)
बैठक के मुख्य बिंदु



1. स्थापना दिवस, इतिहास एवं परिस्थितियां - श्री सूरज शाक्य जी ने युवा छात्रों को विस्तार से बताया कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना 29 अगस्त 1964 को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पवित्र दिन पर देश के प्रबुद्ध संतों द्वारा किन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में की गई थी। राष्ट्र, धर्म की रक्षा और हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से इसकी नींव रखी गई थी।

2. संगठन के कार्यों की

जानकारी - युवाओं को बताया गया कि विहिप और बजरंग दल धर्म जागरण, संस्कृति की रक्षा, सेवा कार्यों, नैतिक शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के लिए किस प्रकार समर्पित होकर कार्य करता है।

3. संगठन का सुदृढ़ीकरण - मुख्य अतिथि श्री कृष्ण कुमार रावत जी ने अपने उद्बोधन में कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ राष्ट्र और धर्म की सेवा में जुटने का आह्वान किया।

गड्डों से राहत के लिए पंच रिपेयरिंग का कार्य तेज

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए अभियान चलाकर शहर की विभिन्न सड़कों पर पंच रिपेयरिंग का कार्य किया जा रहा है। सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पंच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत आज बैजाताल से नदीगेट तक, सिंधिया प्रतिमा से शान ओ शौकत तक, तिवारी नर्सिंग हॉम से शिन्दे की छावनी बलान तक, कोर्णाक हॉस्पिटल के सामने, पाटनकर चौराहे के पास, किलागेट, पीतल कारखाना रोड़, चार शहर का नाका, मुक्तिथान रोड़, पानपते की गोठ, किरार कॉलोनी, सती विहार कॉलोनी, रॉयल एनक्लेव, शताब्दीपुरम, दीनदयाल नगर, केदारपुर गांव, पासर विहार, नारायण विहार, पटेल नगर सिटी सेंटर, कुंज विहार फेस 2, ट्रांसपोर्ट नगर, आदर्श नगर सहित अनेक सड़कों पर पंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुगम बनाया गया।

जलालपुर कंजर डेरा क्षेत्र की झाड़ियों से कच्ची हाथ भट्टी मदिरा जब्त, दो प्रकरण दर्ज

जिले में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई जारी

ग्वालियर, जीएनएस।

जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के खिलाफ कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभागीय टीम ने जलालपुर कंजर डेरा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए झाड़ियों एवं

गंधयुक्त पात्रों में छिपाकर रखी गई कच्ची हाथ भट्टी मदिरा जब्त की। कार्रवाई के दौरान टीम ने अवैध रूप से तैयार की जा रही एवं संग्रहित कच्ची हाथ भट्टी मदिरा तथा शराब निर्माण से संबंधित सामग्री को बरामद किया। मौके पर अवैध शराब जब्त करने के साथ-साथ आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(अ) एवं 34(1)(च) के तहत दो अपराध



पंजीबद्ध किए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश

पर आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री

पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है। विभागीय टीमों द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध नियमानुसार प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं। जिला प्रशास के निर्देश पर यह कार्रवाई जिले में अवैध शराब के कारोबार को सख्ती से रोकने तथा आमजन के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखकर की जा रही है।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी
Har Khushi Ki Pahali Pasand
SCAN TO SHOP
OUR NEW PRODUCT

श्रमसाधना

संपादकीय

न्यायिक नियुक्तियों में स्वतंत्रता के साथ पारदर्शिता भी जरूरी

भारत में न्यायपालिका केवल विवादों का निपटारा करने वाली संस्था नहीं, बल्कि संविधान की सर्वोच्चता, नागरिक अधिकारों और विधि के शासन की अंतिम संरक्षक है। इसलिए न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त है। लेकिन स्वतंत्रता का अर्थ उत्तरदायित्व से मुक्त होना नहीं है। खासकर उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर उठते सवाल बताते हैं कि न्यायिक स्वतंत्रता और पारदर्शिता के बीच संतुलन जरूरी है।

भारत में उच्च न्यायपालिका में नियुक्तियों की वर्तमान महाविद्यालय व्यवस्था संविधान में सीधे तौर पर वर्णित नहीं है, बल्कि सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों से विकसित हुई है। इसका मूल उद्देश्य नियुक्तियों को राजनीतिक प्रभाव से दूर रखना था। यह उद्देश्य महत्वपूर्ण है, क्योंकि न्यायाधीशों को सत्ता के दबाव से मुक्त होकर निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। लेकिन तीन दशक से अधिक के अनुभव ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि क्या राजनीतिक हस्तक्षेप से दूरी ही पर्याप्त है?

सबसे बड़ा प्रश्न चयन की कसौटियों और उनके मूल्यांकन का है। न्यायाधीश का चयन सामान्य सरकारी भर्ती की तरह नहीं हो सकता। विधिक ज्ञान के साथ संवैधानिक समझ, स्वतंत्र चिंतन, सत्यनिष्ठा, न्यायिक दृष्टि, मानवीय संवेदनशीलता और निष्पक्ष निर्णय क्षमता भी आवश्यक हैं। इन गुणों को किसी परीक्षा या अंकों से नहीं मापा जा सकता। फिर भी चयन प्रक्रिया के पीछे स्पष्ट और समझने योग्य मानक जरूर होने चाहिए।

पारदर्शिता का अर्थ उम्मीदवारों की निजी और संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक करना नहीं है। गोपनीय जांच की अपनी उपयोगिता है। लेकिन गोपनीयता और निर्णय के औचित्य में अंतर है। चयन किन व्यापक मानकों पर हुआ और किसी उम्मीदवार को उपयुक्त क्यों माना गया, इसकी पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक की जा सकती है। इससे गोपनीयता भी कायम रहेगी और संस्थागत विश्वास भी बढ़ेगा। न्यायिक नियुक्तियों में पारिवारिक संबंधों को लेकर उठते सवाल भी इसी संदर्भ में देखे जाने चाहिए। किसी न्यायाधीश या वरिष्ठ अधिवक्ता के परिवार से आने वाला व्यक्ति केवल संबंध के कारण अयोग्य नहीं हो सकता। यदि उसकी योग्यता और अनुभव पर्याप्त हैं तो उसे अवसर मिलना चाहिए। समस्या तब पैदा होती है जब यह स्पष्ट न हो कि उसकी स्वतंत्र योग्यता का मूल्यांकन किस तरह किया गया। इसलिए पारिवारिक संबंधों पर प्रतिबंध के बजाय हित-संघर्ष से बचने के स्पष्ट नियम अधिक उपयोगी हो सकते हैं। न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन भी महत्वपूर्ण है। नियुक्तियों को पूरी तरह कार्यपालिका के अधीन करना राजनीतिक प्रभाव का खतरा बढ़ा सकता है, वहीं पूरी प्रक्रिया को केवल न्यायपालिका तक सीमित रखने से बाहरी उत्तरदायित्व का प्रश्न उठ सकता है। समाधान किसी एक संस्था को अधिक शक्ति देने में नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने में है जिसमें स्वतंत्रता और जवाबदेही दोनों सुरक्षित रहें। सुधार की शुरुआत स्पष्ट चयन-ढांचे से हो सकती है। अनुभव, विधिक क्षमता, संवैधानिक समझ, सत्यनिष्ठा, विविधता और पेशेवर प्रतिष्ठा जैसे मानकों को व्यवस्थित रूप से परिभाषित किया जा सकता है। साथ ही नियुक्तियों की समयबद्धता भी जरूरी है। न्यायालयों में रिक्तियां बढ़ने से लंबित मामलों का बोझ बढ़ता है और आम नागरिक के लिए न्याय और दूर हो जाता है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

धर्म, कर्म और मर्म समझकर व्रत रखें

प्रतीक संघवी, राजकोट

मनुष्य ने घड़ी बनाई है, लेकिन



समय नहीं बनाया। कैलेंडर मनुष्य ने बनाया है, लेकिन सूर्योदय, सूर्यास्त, चंद्रमा की कलाएं और ऋतुओं का परिवर्तन प्रकृति के

नियमों के अनुसार होता है। भारत की प्राचीन सभ्यता की विशेषता रही है कि उसने समय को केवल घड़ी की सुइयों और तारीखों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सूर्य, चंद्रमा, तिथि, पक्ष, नक्षत्र और ऋतुचक्र के माध्यम से उसे समझने का प्रयास किया।

आज आधुनिकता के नाम पर हम अपनी अनेक परंपराओं को बिना समझे पुराना या अवैज्ञानिक घोषित कर देते हैं। रात 12 बजे तारीख बदलना आधुनिक नागरिक और प्रशासनिक व्यवस्था के लिए आवश्यक और उपयोगी है, लेकिन धार्मिक कालगणना का आधार हमेशा केवल यही नहीं रहा। भारतीय परंपरा में अनेक धार्मिक कार्यों के लिए सूर्योदय, तिथि और विशेष मुहूर्त का महत्व रहा है। इसलिए धार्मिक समय को केवल आधुनिक घड़ी और कैलेंडर के आधार पर समझना हमेशा पर्याप्त नहीं है।

आधुनिक समाज की एक बड़ी समस्या यह बनती जा रही है कि हम हर चीज को अपनी सुविधा के अनुसार बदलना चाहते हैं। समय नहीं है तो पूजा छोटी कर दो, नियम कठिन है तो नियम बदल दो और परंपरा समझ में नहीं आती तो उसे अंधविश्वास घोषित



कर दो। निश्चित रूप से समाज में मौजूद गलत प्रथाओं और अंधविश्वासों का विरोध होना चाहिए, लेकिन हर पुरानी परंपरा को बिना समझे गलत मान लेना भी बुद्धिमानी नहीं होती। हर पुरानी चीज अंधविश्वास नहीं होती और हर नई चीज प्रगति नहीं होती।

सनातन परंपरा को केवल मंदिर, तिलक और पूजा-पाठ तक सीमित कर देना उचित नहीं है। सनातन जीवन, प्रकृति, समय, कर्म, सत्य और कर्तव्य के प्रश्नों पर विचार करने की परंपरा है। भारतीय ज्ञान-परंपरा में दर्शन, योग, आयुर्वेद, गणित और खगोल जैसे विषयों का विकास हुआ। इसका अर्थ यह नहीं कि हर धार्मिक मान्यता आधुनिक विज्ञान द्वारा प्रमाणित हो चुकी है, लेकिन यह अवश्य है कि भारत की प्राचीन ज्ञान-परंपरा को बिना अध्ययन किए मूर्खता कहकर खारिज कर देना बौद्धिक ईमानदारी नहीं है।

व्रत और उपवास का अर्थ भी केवल भूखा रहना नहीं है। 'उपवास' का सामान्य अर्थ ईश्वर या अपने आराध्य के निकट रहना और

आत्मसंयम का अभ्यास करना है। इसलिए व्रत के साथ इंद्रियों पर नियंत्रण और मन की शुद्धि का भी महत्व है। यदि पेट खाली हो, लेकिन मन क्रोध, ईर्ष्या, लोभ और द्वेष से भरा हो तो केवल भोजन का त्याग व्यक्ति को धार्मिक नहीं बना सकता। वास्तविक व्रत आत्मसंयम, विचारों की शुद्धि और अपने व्यवहार को बेहतर बनाने का प्रयास है। भूखा रहना आसान है, लेकिन अपने क्रोध और लोभ पर नियंत्रण रखना कठिन है।

धर्म का सबसे बड़ा शत्रु आधुनिकता नहीं, बल्कि पाखंड है। कोई व्यक्ति पूजा करे, लेकिन दूसरों के साथ अन्याय करे, रिश्तत ले, कमजोर का शोषण करे या समाज में नफरत फैलाए तो केवल धार्मिक पहचान उसे धार्मिक नहीं बना सकती। धर्म का वास्तविक स्वरूप व्यक्ति के चरित्र और कर्मों में दिखाई देना चाहिए। धर्म का पहला मंदिर मनुष्य का चरित्र है।

धर्म का अर्थ केवल नारे लगाना नहीं है। सच्चा धर्म अपने देश, इतिहास, भाषाओं और सभ्यता को

समझने तथा उनका सम्मान करने में है। धर्म से प्रेम का अर्थ यह नहीं कि हम अपनी गलतियों को स्वीकार न करें, लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि अलग दृष्टिकोण के कारण अपनी हर परंपरा को हीन समझने लगे। सच्चा धर्म अंधभक्ति नहीं, बल्कि ज्ञान आधारित आत्मसम्मान है।

आज भारत को दो प्रकार की मानसिक गुलामी से बाहर निकलना होगा। पहली, यह मानना कि जो पश्चिमी है वही आधुनिक है और जो भारतीय है वह पुराना है। दूसरी, अपनी परंपराओं को बिना समझे केवल इसलिए स्वीकार करना कि पूर्वज ऐसा करते थे। हमें न अंधा गर्व चाहिए और न अंधी शर्म। हमें चाहिए अपनी सभ्यता के प्रति ज्ञान, विवेक और आत्मसम्मान।

भारत को अपनी जड़ों से जुड़ना है, लेकिन पीछे नहीं जाना। हमें विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष और आधुनिक विकास में दुनिया के साथ आगे बढ़ना है, लेकिन अपनी सांस्कृतिक पहचान खोकर नहीं। हमें आधुनिक बनना है, लेकिन आत्मविहीन नहीं; वैज्ञानिक बनना है, लेकिन अपनी ज्ञान-परंपरा से अनजान नहीं। अंततः धर्म केवल मंदिर में नहीं है, केवल व्रत में नहीं है और केवल तिलक में भी नहीं है। धर्म हमारे विचारों, व्यवहार और कर्मों में होना चाहिए। प्रकृति को समझना, परंपरा को जानना, विवेक से सोचना और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाना—यही सनातन धर्म की वास्तविक शक्ति है।

एआई करे होमवर्क, बच्चे करें मौज—पर सीखेंगे कब?

डॉ. विजय गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता तेजी से विद्यार्थियों के जीवन का हिस्सा बनती जा रही है। कुछ क्लिक में गणित के सवाल हल हो जाते हैं, निबंध लिखे जा सकते हैं, विज्ञान के उत्तर मिल सकते हैं, प्रोजेक्ट तैयार हो सकते हैं और पूरे अध्याय का सारांश सामने आ सकता है। जिस काम में पहले घंटों पढ़ना, सोचना और लिखना पड़ता था, वह अब कुछ सेकंड में पूरा हो जाता है।

एआई की यह सुविधा निश्चित रूप से उपयोगी है। यह कठिन अवधारणाएं समझा सकता है, उदाहरण दे सकता है, गलतियां सुधार सकता है और अतिरिक्त सहायता की जरूरत वाले विद्यार्थियों की मदद कर सकता है। लेकिन चिंता तब शुरू होती है, जब एआई सीखने में सहायक होने के बजाय सीखने का विकल्प बन जाए।

सवाल सीधा है—अगर एआई होमवर्क करेगा और बच्चे अपना समय मौज-मस्ती में बिताएंगे, तो वे सीखेंगे कब?

होमवर्क का मकसद सिर्फ सही उत्तर नहीं

होमवर्क को अक्सर विद्यार्थी बोझ मानते हैं। ऐसे में जब एआई कुछ ही सेकंड में उत्तर दे दे, तो उसका इस्तेमाल करना आसान रास्ता लगता है। लेकिन होमवर्क का उद्देश्य केवल सही उत्तर लिखकर जमा करना नहीं है। उसका असली उद्देश्य है—विद्यार्थी का सोचना, गलतियों से सीखना और समस्या का समाधान स्वयं तलाशना।

जब कोई बच्चा कठिन सवाल से जूझता है, तो उसकी तर्क क्षमता विकसित होती है। गलती होने पर उसे अपनी कमजोरी का पता चलता है।

दोबारा प्रयास करने से धैर्य और आत्मविश्वास बढ़ता है। यही प्रक्रिया वास्तविक शिक्षा है।

यदि विद्यार्थी एआई से तैयार उत्तर ज्यों का त्यों लिखकर जमा कर देता है, तो उसके पास सुंदर होमवर्क तो होगा, लेकिन सीखने का अनुभव नहीं।

सुविधा से निर्भरता तक तकनीक ने हमेशा शिक्षा को आसान बनाया है। कैलकुलेटर, कंप्यूटर और इंटरनेट इसके उदाहरण हैं। एआई भी इसी विकास की अगली कड़ी है। समस्या एआई में नहीं, उसके इस्तेमाल के तरीके में है।

यदि विद्यार्थी किसी कठिन गणितीय अवधारणा को समझने के लिए एआई की मदद लेता है, तो यह उपयोगी है। लेकिन बिना स्वयं प्रयास किए पूरा समाधान कॉपी कर लेना सीखने के अवसर को खत्म कर देता है।

इसी तरह निबंध के लिए विचार लेना, भाषा सुधारना या किसी विषय को सरलता से समझना एआई का सकारात्मक उपयोग है। लेकिन यदि पूरा निबंध ही एआई लिखेगा, तो धीरे-धीरे विद्यार्थी की अपनी लेखन और अभिव्यक्ति क्षमता कमजोर हो सकती है।

मस्तिष्क भी अभ्यास से मजबूत होता है। जैसे व्यायाम से मांसपेशियां विकसित होती हैं, वैसे ही सोचने, सवाल करने और समस्याएं हल करने से मानसिक क्षमता बढ़ती है।

परफेक्ट होमवर्क, अधूरी समझ एआई से तैयार असाइनमेंट देखने में शानदार हो सकता है। भाषा अच्छी, प्रस्तुति प्रभावशाली और सामग्री व्यवस्थित। विद्यार्थी को अच्छे अंक भी

मिल सकते हैं। लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि उसने विषय को समझ भी लिया?

कक्षा में शिक्षक के सवालों के जवाब देते समय या परीक्षा में वही विद्यार्थी मूल अवधारणा समझने में असहज हो सकता है। इस तरह अंकों और वास्तविक समझ के बीच अंतर पैदा हो जाता है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि विद्यार्थी धीरे-धीरे अपनी क्षमता पर भरोसा खो सकता है और यह मानने लग सकता है कि अच्छा काम एआई की मदद के बिना संभव ही नहीं।

शिक्षा का उद्देश्य ऐसे विद्यार्थी तैयार करना नहीं है, जो मशीन के बिना काम न कर सकें। उद्देश्य ऐसे व्यक्तित्वों का निर्माण है, जो स्वतंत्र रूप से सोच सकें, सवाल कर सकें और निर्णय ले सकें।

माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका

एआई के इस्तेमाल की पूरी जिम्मेदारी बच्चों पर डालना भी उचित नहीं है। माता-पिता और शिक्षकों को भी अपनी भूमिका बदलनी होगी।

सिर्फ यह पूछने के बजाय कि 'होमवर्क पूरा हुआ या नहीं', यह पूछा जाना चाहिए—

इस काम से तुमने क्या सीखा? क्या तुम इसे अपने शब्दों में समझा सकते हो?

एआई से मदद लेने से पहले क्या तुमने स्वयं प्रयास किया?

तुम्हें कौन-सा हिस्सा सबसे कठिन लगा?

एआई ने तुम्हारी समझ को किस तरह बेहतर किया?

ऐसे सवाल बच्चों का ध्यान

होमवर्क पूरा करने से सीखने की ओर ले जा सकते हैं।

विद्यालयों को भी असाइनमेंट के स्वरूप पर विचार करना होगा। केवल जानकारी जुटाकर दोहराने वाले काम की जगह व्यक्तिगत अनुभव, आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, चर्चा और वास्तविक जीवन की समस्याओं पर आधारित कार्य दिए जाएं। इससे एआई के सहारे केवल कॉपी-पेस्ट करने की प्रवृत्ति को कम किया जा सकता है।

एआई शिक्षक का सहायक बने, विद्यार्थी का विकल्प नहीं

एआई पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना समाधान नहीं है। भविष्य की शिक्षा और रोजगार दोनों में इसका महत्व बढ़ना तय है। इसलिए विद्यार्थियों को एआई से दूर करने के बजाय उसका जिम्मेदार उपयोग सिखाना जरूरी है।

एक सरल नियम अपनाया जा सकता है—

पहले स्वयं सोचो। फिर जरूरत हो तो एआई से मदद लो।

अंत में उत्तर को अपने शब्दों में समझाओ।

इससे एआई सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करेगा, उसकी जगह नहीं लेगा।

उत्तर जानना और समझना अलग है

शिक्षा सबसे जल्दी होमवर्क पूरा करने या सबसे सुंदर उत्तर लिखने की प्रतियोगिता नहीं है। इसका उद्देश्य जिज्ञासु, रचनात्मक, ज्ञानवान और स्वतंत्र सोच रखने वाले व्यक्तियों का निर्माण करना है।

लघु कथा: 'आवाज'...

प्रत्येक दिन की तरह आज भी स्कूल में आवाज गुंज रही थी - मैडम आ गई, मैडम आ गई! सभी बच्चों ने हाथ जोड़कर प्रणाम किया, गुड मॉर्निंग मैडम। प्रार्थना सभा हुई। बच्चे अपनी-अपनी कक्षा में चले गए। बाहर मूसलाधार बारिश हो रही थी।

कक्षा की छत टपक रही थी। टप... टप... टप... बच्चे बेंच खिसकाकर एक सूखे कोने में सिमट गए। किताबें भीग न जाएं, इसलिए सीने से लगा ली थीं। फिर वही बचपन शुरू हो गया। कोई कह रहा था - कल हमारे आंगन में पानी भर गया था। कोई कह रहा था - मैंने कागज की नाव बनाकर तैराई। पूरी कक्षा हल्ला-गुल्ला और किस्सों से भरी थी, उस टपकती छत के नीचे भी वे बहुत खुश थे। तभी प्रधान पाठक आए। तेज

आवाज में बोले - कोई ऊँची आवाज में बात नहीं करेगा! सब शांत हो जाओ!

एक पल में सन्नाटा छा गया। बच्चों ने डरकर किताबें खोल लीं। पढ़ने के लिए एकदम तैयार। तभी पीछे से एक छोटे बच्चे ने धीरे से कहा - गुरु जी, ऊपर से रेत गिर रही है... छोटा पत्थर भी... शिक्षक झल्ला गए, चिल्लाकर बोले - चुप रहो! तुम लोगों का रोज का नाटक है। पढ़ना-लिखना है या नहीं? बच्चा सहम गया और चुप हो गया।

क्लास फिर शांत थी। सिर्फ बारिश की आवाज और छत के टपकने की आवाज। और फिर... एक जोर की धमक हुई। धम! एक ऐसी आवाज, जिसके बाद... कक्षा में हमेशा के लिए खामोशी छा गई। वे आवाजें, जो कभी मैडम आ गईं! कहकर गुंजती थीं, अब कभी सुनाई नहीं देंगी।

ममता साहू
लेखिका, कवयित्री व शिक्षिका

गौ रक्षा दल के गौसेवकों ने आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे-44 पर लगाए रेडियम बेल्ट

मुरैना, जीएनएस।

सड़क दुर्घटनाओं में निराश्रित गोवंश की हो रही मौतों को रोकने के उद्देश्य से गौ रक्षा दल के गौसेवकों द्वारा आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे-44 पर विशेष अभियान चलाकर गोवंश के गले में रेडियम बेल्ट लगाए गए।

रात्रि के समय अंधेरे में सड़क पर विचरण करने वाले गोवंश अक्सर वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाएं होती हैं और गोवंश के साथ-साथ लोगों की जान भी जोखिम में पड़ जाती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए गौ रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने हाईवे पर पहुंचकर कई गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाए, जिससे वे रात में दूर से ही दिखाई दे सकें।

गौसेवक रुद्रप्रताप सिंह ने बताया कि पिछले 10 वर्षों से यह



अभियान निरंतर जारी है। इस दौरान अधिक से अधिक गोवंश को रेडियम बेल्ट पहनाकर दुर्घटनाओं में कमी लाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही वाहन चालकों से भी अपील की गई कि वे रात्रि के समय सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं तथा सड़क पर दिखाई देने वाले पशुओं के प्रति संवेदनशील रहें। गौ रक्षा दल ने समाज के जागरूक नागरिकों से

भी इस पुनीत अभियान में सहयोग करने का आग्रह किया है, ताकि गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

रेडियम बेल्ट लगाने वालों में गौ रक्षा दल के प्रदेश महामंत्री रुद्रप्रताप सिंह, कुलदीप तिवारी, ब्रजमोहन उपाध्याय, लवकुश प्रजापति, हरिओम गुर्जर और विकास गुर्जर शामिल रहे।

नेशनल लोक अदालत 12 सितंबर को

ग्वालियर। सम्पत्तिकर एवं जलकर के लंबित प्रकरणों में वसूली के लिए एवं प्रकरणों के निराकरण के लिए 12 सितंबर 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय सदस्य सचिव मप्र राज्य जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला न्यायालय ग्वालियर के आदेशानुसार लोक आदलत का आयोजन नगर निगम के समस्त क्षेत्रीयध्वार्द कार्यालय क्रमांक 1 लगायत 25 एवं जिला न्यायालय परिसर में किया जाएगा। अपर आयुक्त श्री मुनीष सिकरवार ने बताया कि निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में शहर के नागरिकों के सम्पत्तिकर के लंबित वसूली प्रकरणों के निराकरण के लिए आयोजित लोक अदालत में कर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रुपए तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट रहेगी।

'मौना मागची कथा' का विमोचन हुआ

इंदौर, जीएनएस।

मराठी भाषा रक्षण समिति के तत्वावधान में देवी अहिल्या केंद्रीय पुस्तकालय के सभागृह में साहित्यकार डॉ. योगेंद्र नाथ शुक्ल के मूल हिंदी लघुकथा संग्रह चुप्पी के नेपथ्य में के मराठी अनुवाद 'मौना मागची कथा' का लोकार्पण संपन्न हुआ। इस कृति का अनुवाद डॉ. अनिल गजभिये ने किया है। डॉ. शुक्ल की लघुकथाओं का यह 14वां अनूदित संग्रह है। समारोह की अध्यक्षता समाजसेविका शोभा पैठणकर ने की। कार्यक्रम में अनुवादक डॉ. अनिल गजभिये, समीक्षक यशवंत गोरे (भोपाल) और प्रो. ज्ञानेश्वर तिखे ने पुस्तक पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि सत्यनारायण



सत्तन सहित विभिन्न भाषाओं के साहित्यकार उपस्थित थे। इनमें कवि, व्यंग्यकार व समीक्षक संजय एम तराणेकर, डॉ. मनीष दवे, आशिकभाई देवासवाला, दीपक गिरकर, सुरेश रायकवार, सुरेखा भारती, हदीस अंसारी व प्रदीप नवीन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों का परिचय दीपक शिरालकर ने दिया। कार्यक्रम

की अध्यक्ष समाजसेविका सुश्री शोभा पैठणकर थी। कृति के अनुवादक मराठी के विद्वान डॉ. अनिल गजभिये का स्वागत संजय एम तराणेकर ने शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। कार्यक्रम का संचालन विवेक भावसार ने किया, जबकि प्रस्तावना और आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के संयोजक अनिल कुमार धड़वईवाले ने व्यक्त किया।

'वर्दी के फर्ज से सुरों के सफर तक: रॉयल म्यूजिक फैमिली ने सजाई 'रिमझिम के तराने' की यादगार शाम'

ग्वालियर, जीएनएस।

संगीत न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि यह मन को सुकून देने और जीवन में नई ऊर्जा भरने वाली एक प्रभावशाली थैरेपी भी है। इसी संदेश को साकार करते हुए रॉयल म्यूजिक फैमिली के जुनूनी कलाकारों ने रविवार को 'रिमझिम के तराने' संख्या डू भाग 2' का शानदार आयोजन किया। कार्यक्रम में 31 कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुतियां देकर पूरी शाम को सुरमई और यादगार बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रॉयल म्यूजिक फैमिली के चीफ एडमिन राजेश पाठक एवं संगीत साधकों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करने के साथ किया गया। इसके पश्चात सरस्वती वंदना के साथ संगीत की इस खूबसूरत शाम का आगाज हुआ।

इस अवसर पर प्रेम माथुर एवं रचना श्रीवास्तव ने 'जिंदगी की न टूटे लड़ी', दिलीप यादव एवं रेखा यादव ने 'तुमको मेरे दिल ने', एन. के. उपाध्याय ने 'पुकारता चला हूँ मैं', पी. एस. चौहान ने 'आज मौसम बड़ा...', दीपक भार्गव ने 'दिल जो न कह सका', पी. के.



खरे ने 'पवन दीवानी न माने' प्रस्तुत कर श्रोताओं का मन मोह लिया। वहीं आर. एस. तरेटिया एवं गीता भारद्वाज ने 'ओ सनम तेरे हो गए हम', सुनील खेमरिया एवं रेखा मांडे ने 'हमसफर मेरे हमसफर', राजेश पाठक एवं संगीता भदौरिया ने 'ऐ मेरे हमसफर', जयेश दुबे ने 'मुबारक हो तुमको', कमल किशोर ने 'एक रास्ता है जिंदगी' तथा विपिन दुबे ने 'आने से उसके आए बहार' की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम में शिखा दुबे ने 'आपकी नजरों ने समझा', अर्चना दानवे ने 'यारा सीली सीली', सुनील क्षीरसागर एवं संख्या क्षीरसागर ने 'महबूब मेरे', अर्चना दुबे एवं प्रवीण कमठान ने 'छोड़कर तेरे प्यार का दामन', आलोक शर्मा ने 'एक लड़की भीगी भागी सी' तथा तीर्थराज उपाध्याय ने 'ओ

फिरकी वाली' गीत से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके अलावा मनोज वर्मा ने 'हमें और जीने की', विनोद पथोरलिया एवं सपना बाथम ने 'रिमझिम के गीत', बी. एस. तरेटिया ने 'चाहिए थोड़ा प्यार' तथा कमल किशोर ने 'दिल में आग लगाए' सहित अनेक लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर माहौल को संगीत के रंगों से सराबोर कर दिया। रॉयल म्यूजिक फैमिली की सबसे खास बात यह है कि इस समूह से बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं पुलिसकर्मी जुड़े हुए हैं। वर्षों तक वर्दी में रहकर जिम्मेदारियों और तनावपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने वाले ये संगीत प्रेमी अब गायकी को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बना चुके हैं।

वानप्रस्थ धाम में डॉ. चतुर नारायण पाराशर महाराज का 45वां जन्म महोत्सव 16 को

वृन्दावन, जीएनएस।

श्रीहित हरिवंश नगर स्थित वानप्रस्थ धाम फेस - 1 में वानप्रस्थ धाम के संस्थापक व विश्वविख्यात भागवत प्रवक्ता डॉ. चतुर नारायण पाराशर महाराज का 45वां जन्म महोत्सव अत्यन्त हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ 16

सितंबर 2026 को सायं 7-00 बजे से आयोजित किया गया है। जानकारी देते हुए 'यूपी रत्न' डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत देश-विदेश से आये समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं के द्वारा महाराजश्री का पूजन-अर्चन किया जाएगा। तत्पश्चात विद्वत

संगोष्ठी व सन्त समागम आदि के कार्यक्रम होंगे। महोत्सव का समापन सन्त ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ होगा। भागवताचार्य पण्डित रामांश पाराशर एवं पण्डित पवन पाराशर ने सभी से इस महोत्सव में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष एवं सपा नेता विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' मुख्य चिकित्सा अधिकारी से किया मुलाकात

वाराणसी, जीएनएस।

वाराणसी में बाढ़ का पानी उतरने के साथ ही अब महामारी और संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से मंडराने लगा है शहर के दर्जनों मोहल्लों में ठहरे हुए गंदे पानी के चलते डेंगू और मलेरिया का लावा विकराल रूप ले चुका है जिससे आम जनता गंभीर संकट में है 7इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के नेता एवं विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' ने सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ.एन.पी.सिंह से शिष्टाचार भेंट कर एक पत्र सौंपा और तत्काल

राहत कार्य शुरू करने की मांग की 7 सपा नेता विष्णु शर्मा ने वार्ता के दौरान सीएमओ का ध्यान शहर के 47 अति संवेदनशील मोहल्लों की ओर आकर्षित कराया जो वर्तमान में डेंगू के %डेंजर ज़ोन% में तब्दील हो चुके हैं उन्होंने स्पष्ट किया कि सुसवाई, कंदवा, सारनाथ, शिवपुर, पांडेयपुर, हुकुलगंज (नईबस्ती), रामनगर, सामनेघाट (भगवानपुर), छित्तपुर और सीरगोवर्धन जैसे निचले और बाढ़-प्रभावित क्षेत्रों में जलजमाव के कारण लावा तेजी से पनप रहा है जिससे घर-घर लोग तेज बुखार और प्लेटलेट्स गिरने की समस्या



से जूझ रहे हैं। विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' ने सीएमओ को संवेदनशील सैतालीस वार्ड की सूचि सौंपते हुए मांग करते हुए कहा कि संवेदनशील वार्डों की सूचि के मुताबिक बाढ़ग्रस्त इलाकों का

स्थलीय निरीक्षण कर मेडिकल कैंप बाढ़ और जलभराव से प्रभावित सभी चिन्हित वार्डों एवं जिन मोहल्लों में अभी तक मेडिकल टीम नहीं पहुँची है वहाँ अविलंब सचल स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए जाएँ

एवं सघन एंटी -लावा छिड़काव व फॉगिंग नगर स्वास्थ्य अधिकारी व संबंधित विभागीय टीमों को निर्देशित कर सभी 47 संवेदनशील इलाकों में युद्धस्तर पर टेमीफॉस/लावा- रोधी रसायन का छिड़काव और सघन थर्मल फॉगिंग कराई जाए 7 उन्होंने सीएमओ से अनुरोध करते हुए कहा कि बाढ़ग्रस्त इलाकों में निशुल्क जांच व दवा वितरण बाढ़ पीड़ित बस्तियों में

ओआरएस, पैरासिटामोल, क्लोरीन की गोлияयां और डेंगू टेस्टिंग किट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए 7 सपा नेता विष्णु शर्मा ने

कहा बाढ़ की विभीषिका झेल चुकी जनता अब प्रशासनिक उपेक्षा के चलते संक्रामक बीमारियों की बलि नहीं चढ़नी चाहिए। सीएमओ ने सपा नेता विष्णु शर्मा के शिकायत पर सीएमओ ने तत्काल प्रभाव से नगर स्वास्थ्य अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग की टीमों को प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर छिड़काव और स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए।

मुलाकात करने वालों में प्रमुख रूप से सपा नेता विष्णु शर्मा, संतोष श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र विश्वकर्मा, बाबूलाल शर्मा, प्रदीप सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

सागर में जहरीली शराब से 24 मौतों के बाद फिर उठे आबकारी नीति और शराबबंदी के सवाल

कुटीर उद्योग बना अवैध शराब का धंधा

प्रमोद भार्गव

मध्यप्रदेश में अवैध शराब का निर्माण अब छोटे-मोटे स्तर तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि कई इलाकों में इसने कुटीर उद्योग का रूप ले लिया है। सागर जिले की बंडा तहसील के ततरबारा गांव में सामने आई कथित अवैध शराब फैक्ट्री इसका गंभीर उदाहरण है। बताया गया कि यहां अलग-अलग ब्रांड की शराब तैयार करने से लेकर बोटलों में पैकिंग तक की व्यवस्था थी। शराब निर्माण से जुड़े इस नेटवर्क के तार मुरैना तक जुड़े होने की बात भी सामने आई है।

अवैध शराब का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं है, बल्कि यह सीधे मानव जीवन से जुड़ा गंभीर संकट है। देसी शराब जब प्राकृतिक तरीके से महुआ, गुड़ और अनाज से बनाई जाती थी, तब उसके जहरीले होने का खतरा अपेक्षाकृत कम था। लेकिन अधिक मुनाफे के लिए जब इसमें रासायनिक पदार्थों और घटिया सामग्री का असंतुलित इस्तेमाल होने लगा, तो यही शराब जानलेवा बन गई। सागर की घटना में हुई मौतें इसी खतरे की भयावह तस्वीर पेश करती हैं।

विडंबना यह है कि जहरीली शराब से बार-बार मौतें होने के बावजूद इसके स्थायी समाधान की दिशा में गंभीरता नजर नहीं आती। इसका एक कारण यह भी माना जाता है कि अवैध शराब का सबसे ज्यादा शिकार गरीब और वंचित

तबका होता है। दूसरी ओर, शराब के वैध कारोबार में भी राजनीतिक और प्रशासनिक प्रभाव की चर्चाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। सागर मामले में शराब विक्रेताओं और कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। आरोपितों में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आने से यह सवाल भी उठता है कि शराब के कारोबार पर प्रभावशाली नेटवर्क की कितनी पकड़ है।

शराबबंदी की मुहिम क्यों हुई कमजोर?

मध्यप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कुछ वर्ष पहले शराबबंदी को लेकर अभियान चलाया था। उन्होंने सार्वजनिक रूप से शराब की दुकानों का विरोध भी किया। लेकिन सरकार की आबकारी नीति में शराब की बिक्री को लेकर कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। ओरछा में रामराजा मंदिर के मार्ग पर शराब दुकान को लेकर हुआ विवाद इस विरोधाभास का चर्चित उदाहरण रहा।

उमा भारती ने शराबबंदी को लेकर जिस आक्रामक अभियान की शुरुआत की थी, वह अंततः निर्णायक परिणाम तक नहीं पहुंच सका। सवाल यह है कि यदि सरकार शराब के दुष्प्रभावों को लेकर गंभीर है तो पवित्र और धार्मिक नगरों में शराब की उपलब्धता को लेकर स्पष्ट नीति क्यों नहीं बनाई जाती?

नई आबकारी नीतियों में



शराब की बिक्री को लेकर कई ऐसे प्रावधान और व्यवस्थाएं बनी रहती हैं, जिनसे शराब की उपलब्धता पर प्रभावी अंकुश लगाना कठिन होता है। देशी और विदेशी शराब की दुकानों पर एक-दूसरे की शराब की बिक्री जैसी व्यवस्थाएं भी नीति की मंशा पर सवाल खड़े करती हैं। जरूरत इस बात की है कि सरकार शराब नीति को केवल राजस्व के नजरिए से नहीं, बल्कि सामाजिक स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था के व्यापक दृष्टिकोण से देखे।

राजस्व से ज्यादा भारी पड़ती है शराब की सामाजिक कीमत

शराबबंदी के विरोध में सबसे बड़ा तर्क अक्सर यह दिया जाता है कि इससे सरकार को मिलने वाले राजस्व की भरपाई कैसे होगी और शराब की तस्करी पर नियंत्रण कैसे किया जाएगा? ये व्यावहारिक

चुनौतियां जरूर हैं, लेकिन शराब से होने वाले सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान की कीमत भी कम नहीं है।

शराब से होने वाली बीमारियों, नशामुक्ति अभियानों, घरेलू हिंसा, अपराध और सड़क दुर्घटनाओं का आर्थिक-सामाजिक बोझ भी सरकार और समाज को ही उठाना पड़ता है। यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अक्सर शराब के खिलाफ आंदोलनों की अगुवाई करती दिखाई देती हैं। उनके लिए शराब केवल एक नशा नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है।

महात्मा गांधी ने भी शराब को गंभीर सामाजिक बुराई माना था और स्वतंत्र भारत में पूर्ण शराबबंदी की वकालत की थी। इसके बावजूद चुनावों में शराब के

इस्तेमाल और वितरण की शिकायतें राजनीतिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। लोकतंत्र में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए नशे का सहारा लेना उस पीढ़ी के भविष्य से खिलवाड़ है, जिसे बेहतर समाज देना राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी है।

शराब के साथ नशे का बढ़ता कारोबार : स्थिति केवल शराब तक सीमित नहीं है। प्रदेश के अनेक हिस्सों में स्मैक, चरस और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री भी चिंता का विषय बनी हुई है। एक तरफ अवैध शराब का नेटवर्क सक्रिय है तो दूसरी ओर युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति सामाजिक संकट को और गहरा कर रही है।

ऐसे में सरकार को शराब और नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई को केवल छिटपुट पुलिस अभियान तक सीमित रखने के बजाय एक व्यापक नीति के रूप में लागू करना होगा। अवैध शराब बनाने वालों के साथ-साथ इसके वितरण और संरक्षण से जुड़े नेटवर्क तक पहुंचना जरूरी है।

शराब कारोबार और नीतियों के बीच सवाल : सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर शराब की दुकानों को लेकर सख्ती की थी। इसके बाद राजमार्गों के वर्गीकरण और मार्गों के पुनर्निर्धारण को लेकर भी देशभर में बहस हुई। मध्यप्रदेश में भी शराब की दुकानों और राजमार्गों

से जुड़े नियमों को लेकर सवाल उठते रहे हैं।

साफ है कि शराब नीति को केवल राजस्व संग्रह का माध्यम मानने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यदि नीति का केंद्र शराब कारोबारियों का हित दिखाई देने लगे तो अवैध शराब के समानांतर नेटवर्क को रोकना और मुश्किल होगा। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता और पुलिस की निष्पक्ष कार्रवाई तीनों जरूरी हैं।

सागर में जहरीली शराब से हुई 24 मौतें एक और चेतावनी हैं। कार्रवाई के बाद मामला ठंडा पड़ जाना पर्याप्त नहीं है। यह पता लगाना जरूरी है कि जहरीली शराब बनी कहाँ, पहुंची कैसे और इसके पीछे कौन सा नेटवर्क काम कर रहा था। जब तक इस पूरी श्रृंखला पर प्रहार नहीं होगा, तब तक जहरीली शराब का कारोबार खत्म होना मुश्किल है।

सवाल अब भी वही है—क्या सरकार शराब नीति पर नए सिरे से विचार करेगी? और क्या शराबबंदी को लेकर कभी सड़क पर उतरने वाली उमा भारती फिर इस मुद्दे को राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन का रूप देगी? फिलहाल, सागर की त्रासदी ने प्रदेश में शराब नीति पर बहस को एक बार फिर केंद्र में ला दिया है।

प्रमोद भार्गव
लेखक वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

आंखों में रोशनी नहीं थी, लेकिन हौसलों ने सपनों को कभी बुझने नहीं दिया
गांव की चौपाल से 'हनुमान अंश' तक पहुंची सुनील सिंह लोधी की आवाज

जिसे दुनिया दिखाई नहीं दी, उसकी आवाज ने दुनिया जीत ली

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

जिंदगी में अंधेरा केवल आंखों की रोशनी चले जाने से नहीं होता। असली अंधेरा तब होता है, जब इंसान उम्मीद करना छोड़ देता है। मध्यप्रदेश के सागर जिले की सुरखी विधानसभा क्षेत्र के छोटे

से गांव अगर्रा के सुनील सिंह लोधी ने जिंदगी के इसी अंधेरे को अपनी कमजोरी बनने नहीं दिया। बचपन से आंखों की रोशनी नहीं थी, लेकिन उनके भीतर सपनों की चमक कभी कम नहीं हुई।

सुनील को बचपन से ही दिखाई नहीं देता था। माता-पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार इलाज कराया, लेकिन आंखों की रोशनी वापस नहीं आ सकी। परिवार की आर्थिक स्थिति भी ऐसी नहीं थी

कि हर सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सके। करीब एक एकड़ जमीन और पशुपालन के सहारे गुजर-बसर करने वाले परिवार में सुनील की पढ़ाई भी ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकी। माता-पिता और भाई-बहनों के बीच पले-बढ़े सुनील ने बचपन से ही अभाव और संघर्ष को करीब से देखा।

लेकिन शायद प्रकृति ने उनकी आंखों की रोशनी भले ही छीन ली थी, उनकी आवाज में ऐसी रोशनी जरूर भर दी थी, जो एक दिन हजारों-लाखों लोगों तक पहुंचने वाली थी।

भजन बने सहारा, आवाज बनी पहचान : भजन और संगीत से सुनील का लगाव धीरे-धीरे उनकी सबसे बड़ी ताकत बन गया। गांव की चौपालों और छोटे धार्मिक आयोजनों में गाते-गाते उनकी आवाज लोगों के बीच पहचान बनाने लगी। सीमित



साधनों के बावजूद उन्होंने कभी अपने सपनों को छोटा नहीं होने दिया।

सुनील की जिंदगी में बड़ा मोड़ वर्ष 2019 में आया, जब उनकी मुलाकात रोहित साहू से हुई। इस मुलाकात ने उन्हें आगे बढ़ने का नया हौसला दिया। सोशल मीडिया के माध्यम से उनकी आवाज ज्यादा लोगों तक पहुंचने लगी। धीरे-धीरे उनकी पहचान गांव और आसपास के

क्षेत्र से निकलकर दूर तक बनने लगी।

अब बड़े पर्दे तक पहुंची आवाज : संघर्ष करते-करते सुनील की आवाज आखिरकार 'हनुमान अंश' फिल्म तक पहुंच गई। जिस सुनील ने अपनी आंखों से दुनिया नहीं देखी, आज उनकी आवाज बड़े पर्दे के जरिए दुनिया सुन रही है। उनके लिए यह मुकाम किसी उपलब्धि से कम नहीं है। हालांकि यह सफलता किसी

एक दिन की कहानी नहीं है। इसके पीछे गांव की मिट्टी है, परिवार की सीमित आमदनी है, अधूरी पढ़ाई है, संघर्ष के लंबे दिन हैं, लोगों का सहयोग है और सबसे बढ़कर खुद पर विश्वास बनाए रखने की जिद है।

कमी नहीं, हौसला मायने रखता है

सुनील की कहानी उन लोगों के लिए आईना है, जो छोटी-छोटी परेशानियों के सामने हार मान लेते हैं। हमारे पास आंखें हैं, रास्ते हैं, साधन हैं, फिर भी कई बार हम अक्सर न मिलने की शिकायत करते हैं। दूसरी ओर सुनील के पास देखने की शक्ति नहीं थी, साधन सीमित थे, लेकिन सपने देखने की शक्ति पूरी थी।

जब सपनों के साथ मेहनत जुड़ जाए और विश्वास कायम रहे तो परिस्थितियों की कोई भी दीवार स्थायी बाधा नहीं बन सकती। सुनील ने इसे अपने जीवन से

साबित किया है।

आज उनकी आवाज 'हनुमान अंश' के माध्यम से लोगों तक पहुंच रही है। यह केवल सुनील की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की जीत है जो विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को जिंदा रखते हैं।

आंखों ने दुनिया देखने से मना कर दिया, लेकिन हौसले ने सपने देखना नहीं छोड़ा। रास्ते कम थे, लेकिन आवाज ने अपना रास्ता खुद बना लिया।

शायद यही हनुमान भक्ति का सबसे सुंदर संदेश भी है—जहां मनुष्य की शक्ति समाप्त होती है, वहीं से विश्वास की शक्ति शुरू होती है। इसलिए परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, भरोसा बनाए रखिए और प्रयास करते रहिए। ईश्वर कब, किसे अपना माध्यम बना दे—कोई नहीं जानता।

ओरछा में रामराजा सरकार, दतिया में मां पीतांबर और जोरासी हनुमान के करेंगे दर्शन; बैठक में सामाजिक कार्यों की बनेगी रूपरेखा जय श्रीराम के घोष के साथ तीर्थ दर्शन यात्रा पर खाना हुआ पंजाबी परिषद

ग्वालियर जीएनएस
पंजाबी परिषद ग्वालियर-चंबल संभाग समिति के सदस्य मंगलवार सुबह तीर्थ दर्शन, बैठक और पिकनिक के लिए जय श्रीराम के घोष के साथ खाना हुआ। राम मंदिर से सुबह 8.30 बजे शुरू हुई यात्रा में परिषद के सदस्य परिवार सहित शामिल हुए। यात्रा के दौरान ओरछा में रामराजा सरकार, दतिया में मां पीतांबर और जोरासी वाले हनुमानजी के दर्शन किए जाएंगे। यात्रा को लेकर परिषद के सदस्यों में विशेष उत्साह नजर

आया। खासतौर पर ओरछा में रामराजा सरकार के दर्शन को लेकर सदस्य उत्साहित रहे। दर्शन के बाद ओरछा रिसॉर्ट में पिकनिक का आयोजन होगा। यहां परिषद की बैठक भी आयोजित की जाएगी, जिसमें आगामी दिनों में किए जाने वाले सामाजिक कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। यात्रा में परिषद अध्यक्ष कन्हैयालाल आनंद, अशोक सहगल, केवल कृष्ण सूरी, हरीश साहनी, महिला अध्यक्ष कुसुम भसीन, प्रभारी बबीता डबर,



मनोहर लाल भल्ला, मोहनलाल अरोड़ा, हरीश सहगल, राजवीर खुराना, कार्यक्रम संयोजक

राजकुमार अरोड़ा, डॉ. प्रेम अरोड़ा, पुरानचंद खत्री, हरीश अमरपुरी, संजय सपरा, लक्ष्मी जुनेजा, मंजू भसीन, शशि अमरपुरी, पवन साहनी, सुरेंद्र जुनेजा, अशोक धमीजा, ओमप्रकाश धवन, प्रेम गुलाटी, अजय धमीजा, शशि कपूर, सविता कपूर, ज्योति शेड्डी, ममता खेड़ा, राजकुमार सेठी, आशा शेड्डी, मनोज गुलाटी, मेधा गुलाटी सहित परिषद के सदस्य परिवार सहित शामिल हुए। मीडिया प्रभारी राजू पंडित भी मौजूद रहे।

जिले की समस्त तहसीलों से कर्मचारियों ने की शिरकत म.प्र.राज्य कर्मचारी संघ का सम्मान समारोह सम्पन्न

शिवपुरी जीएनएस
एक बेहतरीन शिक्षक सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं देता, बल्कि छात्र के भीतर छिपी हुई संभावनाओं को जगाता है। आज का दिन उन सभी शिक्षकों को नमन करने का है जो मिट्टी को सोना बनाता है। यह बात मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शिवपुरी विधायक देवेन्द्र जैन ने कही। शिक्षकों की टीईटी परीक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय का है। जिसमें म.प्र. सरकार आपका पक्ष मजबूती से रख रही है। हम आपके साथ हैं।

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र



पिपलौदा एवं जिला सचिव राजकुमार सरैया, अशोक वर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि गत दिवस शगुन वाटिका में म.प्र.राज्य कर्मचारी संघ का सम्मान समारोह एवं पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारम्भ माँ भारती की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर किया गया। मंच पर कार्यक्रम के

मुख्य अतिथि शिवपुरी विधायक देवेन्द्र जैन, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव, पूर्व विधायक प्रहलाद भारती, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजप राजू बाथम, पूर्व प्रदेश प्रतिनिधि केशव सिंह तोमर, हरवीर रघुवंशी, भाजपा कार्यालय मंत्री हरिशंकर दुवे, पूर्व उपाध्यक्ष आकाश शर्मा, समाजसेवी रमेश

रावत, सुश्री हरभजन कौर, राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पिपलौदा, जिला सचिव राजकुमार सरैया, श्रीमती रितु श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। भारतीय मजदूर संघ की ओर से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अजमेर सिंह यादव, विभाग प्रमुख फतेह सिंह गुर्जर, जिलाध्यक्ष मंजू धाकड़, कौशल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। सभी मंचाशील अतिथियों का राज्य कर्मचारी संघ द्वारा अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। इसके पश्चात तहसील एवं ब्लॉक ईकाई के शेष पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये गये। मंच का संचालन महावीर मुदगल द्वारा किया गया। अंत में सभी का आभार जिला सचिव राज कुमार सरैया द्वारा प्रकट किया गया।

जिला कार्यसमिति बैठक में सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा पर चर्चा



शिवपुरी जीएनएस
भारतीय जनता पार्टी जिला शिवपुरी की जिला कार्यसमिति बैठक एवं जिला कार्यशाला का आयोजन स्थानीय नक्षत्र गार्डन में किया गया। बैठक में पार्टी के जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' के कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सेवा संकल्प अभियान के जिला संयोजक श्री लवलेश जैन को अभियान की जिला स्तर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रदेश स्तर पर तैयार किए गए राजनीतिक प्रस्ताव को जिला स्तर पर समर्थन दिलाने के संबंध में भी विचार-विमर्श हुआ। जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव ने बैठक की भूमिका एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं से पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से जन-

जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

बैठक में जिला महामंत्री के.पी. परमार ने राजनीतिक प्रस्ताव को उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के समक्ष पढ़कर सुनाया। प्रस्ताव के समर्थन में कोलारस विधायक महेंद्र यादव, संदीप माहेश्वरी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शैलजा लवंगीकर, ओमप्रकाश खटीक, प्रह्लाद भारती, लखन सिंह बघेल, बदरवास मंडल अध्यक्ष कल्याण यादव, लोकपाल लोधी एवं नरेंद्र बिरथरे सहित अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए और प्रस्ताव का समर्थन किया। कार्यक्रम में मंचासीन भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव, जिला प्रभारी नंदकिशोर नापित, कोलारस विधायक महेंद्र यादव, पूर्व मंत्री सुरेश राठवेड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेंद्र बिरथरे, जिला महामंत्री योगेंद्र रघुवंशी, जिला महामंत्री के.पी. परमार उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स वीक शतरंज प्रतियोगिता संपन्न

शिवपुरी जीएनएस
स्पोर्ट्स वीक के अंतर्गत और आर. के. मेमोरियल चेस एकेडमी, शिवपुरी के तत्वाधान में एक चेस प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में आयोजन सचिव श्री पवन वशिष्ठ और जिला खेल, युवा कल्याण अधिकारी एवं टूर्नामेंट डायरेक्टर डॉ. के. के. खरे ने

बताया कि यह प्रतियोगिता तीन-तीन कैटेगरी में बालिका और बालक आयोजित हुई। मुख्य रूप से बालिका-14 में अनन्या राठौड़ ने आरना गोसाईं को हराया। अंडर-19 में आकर्षित शर्मा ने दर्शील राहौरा को, अंडर-14 में मायुराज रावत ने दिवेन राठी और अंडर-11 में अयांश गुप्ता ने अक्ष कुमार को हराया।



आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ उपचार से बढ़े बेहतर रिकवरी के विकल्प

दर्द से राहत और शारीरिक अक्षमता से उबरने में कारगर फिजियोथेरेपी

ग्वालियर जीएनएस
ग्वालियर। फिजियोथेरेपी अब केवल चोट के दर्द या खिलाड़ियों की फिटनेस तक सीमित नहीं रह गई है। आधुनिक तकनीक और उपकरणों के जरिए हड्डियों, मांसपेशियों, नसों और कई जटिल शारीरिक समस्याओं के उपचार व पुनर्वास में इसका उपयोग किया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, कई मामलों में फिजियोथेरेपी से ऑपरेशन की जरूरत टालने के साथ पुराने दर्द और शारीरिक अक्षमता में भी राहत मिल सकती है।

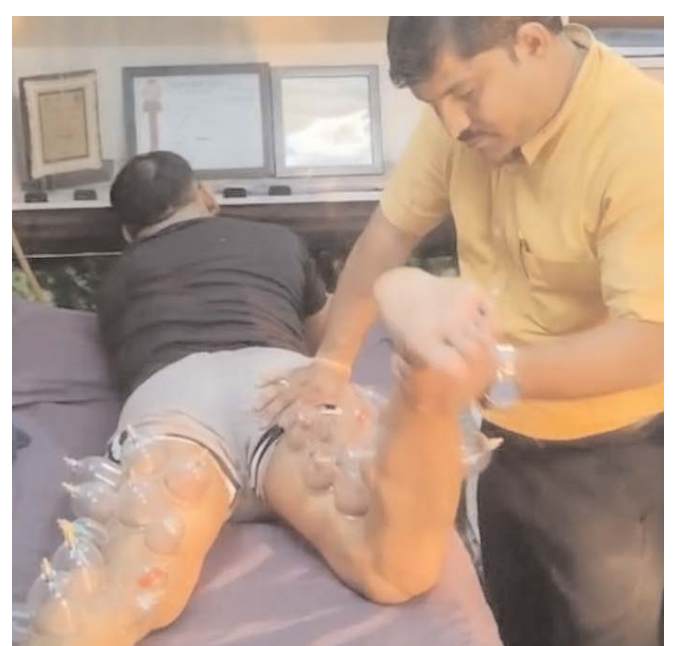
हादसे में बंद हुआ हाथ, फिर लौटी हरकत : हजीरा निवासी ब्रजेश सेंगर के 22 वर्षीय बेटे दीपेश सड़क हादसे में घायल

हो गए थे। हादसे के बाद उनका दायां हाथ काम नहीं कर रहा था। जांच में ब्रेकियल प्लेक्सस इंजरी सामने आई। वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सूर्यकांत अग्निहोत्री के अनुसार, लेजर थेरेपी, टेंस, मांसपेशियों की उत्तेजना और व्यायाम के माध्यम से उपचार किया गया। इसके बाद कंधे, कोहनी और उंगलियों में धीरे-धीरे हरकत शुरू हुई। 17 सत्रों के बाद कंधे की जकड़न हुई कम : 57 वर्षीय दीपक शर्मा का वजन उठाने के दौरान कंधा जाम हो गया था। चिकित्सकों ने उन्हें ऑपरेशन की सलाह दी थी। इसके बाद फिजियोथेरेपी कराई गई। करीब 17 सत्रों के बाद कंधे की

गतिविधि में काफी सुधार आया। चलने में असमर्थ राजेंद्र फिर चलने लगे : ग्वालियर निवासी 21 वर्षीय राजेंद्र कमर, पैर और कंधे में दर्द व जकड़न के कारण खड़े तक नहीं हो पाते थे। जांच में एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की पुष्टि हुई। डॉ. अग्निहोत्री के अनुसार, शॉक वेव, लेजर और मैनुअल मोबिलाइजेशन जैसी तकनीकों के साथ उपचार किया गया। इसके बाद उनकी स्थिति में सुधार हुआ और वे दोबारा चलने लगे। केवल व्यायाम और सेंकाई नहीं : डॉ. सूर्यकांत अग्निहोत्री के अनुसार, फिजियोथेरेपी को केवल व्यायाम या सेंकाई तक सीमित समझना

सही नहीं है। आधुनिक तकनीकों के माध्यम से विभिन्न शारीरिक समस्याओं के उपचार और पुनर्वास में मदद मिल सकती है। ऑस्टियोआर्थराइटिस से जुड़े पुराने घुटने के दर्द में भी फिजियोथेरेपी मांसपेशियों की ताकत और जोड़ की गतिशीलता बेहतर करने में सहायक हो सकती है।

विशेषज्ञ की सलाह पुराने दर्द, जोड़ों में जकड़न या सर्जरी के बाद पुनर्वास के दौरान व्यायाम हमेशा प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट की देखरेख में ही करें। बिना विशेषज्ञ सलाह के किसी अप्रशिक्षित व्यक्ति से उपचार या व्यायाम के प्रयोग कराने से बचना चाहिए।



अंग्रेजी शराब एवं देसी शराब सभी दुकानदार प्रिंट रेट मे उपभोक्ताओं को वितरण करें: विनय कुमार मौर्य

जालौन, जीएनएस।
नगर एवं जोलहपुर मोड में स्थित अंग्रेजी शराब एवं देशी शराब की सरकारी दुकानों में स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी टीम के साथ निरीक्षण किया निरीक्षण दौरान गंदगी पाए जाने पर मौजूद दुकानदारों को फटकार लगाकर दुकान में सफाई करने के कड़े निर्देश दिए।
सोमवार की शाम उप

जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य पुलिस उपाधीक्षक राजेश कमल आबकारी अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ आलमपुर स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान पर पहुंच कर निरीक्षण किया निरीक्षण दौरान अभिलेख के अनुसार स्टॉक का मिलान किया स्टॉक सही पाया गया साथ में उन्होंने दुकान को प्रतिदिन बेहतर सफाई करने के निर्देश दिए इसके



उपरांत मुन्ना फुल पावर ब्रिज के समीप अंग्रेजी दुकान एवं बियर

देशी शराब की दुकानों में घूम घूम कर प्रत्येक बिंदुओं में निरीक्षण

किया इतना भी नहीं मौजूद ग्राहकों से प्रिंट रेट में शराब उपलब्ध कराने की पृष्ठताछ की मौजूद उपभोक्ताओं ने दुकानों से सही रेट पर देशी शराब मिलने की बात कही इसी क्रम में पूरे अमले ने जोलहपुर मोड में पहुंचकर स्थित शराब की दुकानों में चैकिंग अभियान चलाया चैकिंग दौरान मौजूद दुकानदारों को कड़े शब्दों में कहा जो सरकारी रेट बोलत

सीसी में अंकित है उसी रेट मे आने वाले ग्राहकों को अंग्रेजी देशी शराब उपलब्ध कराये उन्होंने मौजूद दुकानदारों को स्पष्ट रूप से कहा कि अपनी अपनी दुकान अनुबंध के तहत संचालन करें किसी भी दुकानदार ने अपनी मनमानी से दुकानों का संचालन किया किसी भी सूरत में बदशत नहीं किया जाएगा ऐसे दुकानदार कार्यवाही के लिए तैयार रहें।

रेल यात्री को पानी चाहिए, प्लास्टिक की बोतल नहीं

शताब्दी में सफर के दौरान शुभम चौधरी ने उठाया सवाल, 'रिफिल मॉडल' अपनाने की जरूरत बताई

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर से भोपाल तक शताब्दी एक्सप्रेस में सफर के दौरान यात्रियों को पानी की बोतलें उपलब्ध कराए जाने को लेकर भाजपा नेता शुभम चौधरी ने पर्यावरण से जुड़ा महत्वपूर्ण सवाल उठाया है। उनका कहना है कि यात्रियों को पानी उपलब्ध कराना जरूरी सुविधा है, लेकिन इसके लिए हर यात्री तक पहुंचने वाली सिंगल यूज प्लास्टिक बोतल के विकल्प पर भी विचार होना चाहिए।
चौधरी ने कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार रेलवे में प्रतिदिन करीब 13 लाख लीटर रेल नीर की आपूर्ति होती है। 500 मिलिलीटर की बोतल के हिसाब से



यह लगभग 26 लाख बोतलों के बराबर है। इसके अलावा अन्य स्वीकृत ब्रांडों की बोतलें भी इस्तेमाल होती हैं। ऐसे में रेलवे में प्लास्टिक कचरे को कम करना बड़ी चुनौती है। उनका सुझाव है कि रेलवे कचरा प्रबंधन के साथ-साथ कचरा पैदा होने की मात्रा कम करने

पर भी ध्यान दे। स्टेशनों पर विकसित की जा रही जल शुद्धिकरण व्यवस्थाओं की तर्ज पर प्रमुख ट्रेनों में सुरक्षित और गुणवत्ता-निगरानी वाले वाटर रिफिल पॉइंट बनाए जा सकते हैं, जहां यात्री अपनी पुनः उपयोग योग्य बोतल भर सकें।
शुभम चौधरी ने रेलवे से 'Refill, Not Plastic' जैसे पायलट मॉडल पर विचार करने की अपील करते हुए कहा कि यात्रियों को पानी चाहिए, लेकिन हर यात्रा के साथ नई प्लास्टिक बोतल जरूरी नहीं होनी चाहिए। उनके मुताबिक, स्वच्छ रेलवे की दिशा में अगला कदम केवल कचरा साफ करना नहीं, बल्कि कचरा कम पैदा करना भी होना चाहिए।

विश्व शांति, अच्छी फसल और सुख-समृद्धि के लिए हुआ संगीतमय सुंदरकांड पाठ

पोरसा, जीएनएस।

विश्व शांति, क्षेत्र में अच्छी फसल, सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना को लेकर पोरसा स्थित भगवान गोवर्धन गिरिराज जी महाराज के मंदिर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के महंत राम किशोर दास शास्त्री के सानिध्य में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ किया।
संगीतमय सुंदरकांड पाठ के दौरान पूरा मंदिर परिसर भगवान श्रीराम और पवनपुत्र हनुमान के जयकारों से गूंज उठा। भक्ति संगीत और सुंदरकांड की चौपाइयों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो

गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ कर पंचमुखी हनुमान जी महाराज की आराधना की और क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। इस धार्मिक आयोजन में रामनिवास उपाध्याय, जसवीर सिंह तोमर, शंभू सिंह तोमर, राधेश्याम सिंह तोमर, पंडित राहुल शास्त्री, राम दत्त गुप्ता, दीपू सिंह, पंडित जगत नारायण शर्मा, मुरारी लाल गुप्ता, रामवीर सिंह तोमर, हमीर सिंह तोमर, मुरारी सिंह बघेल, ब्रजराज सिंह तोमर, विजेंद्र सिंह, रामचरण, जसवंत सिंह, सुरेश सिंह फौजी, सुखदेवी शर्मा, गुड्डि देवी शर्मा, मौनी राजावत, राम बेटी, मुन्नी देवी ओझा, चंद्रकांता सहित लगभग एक सैकड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। सुंदरकांड पाठ के समापन के पश्चात मंदिर के महंत राम

किशोर दास शास्त्री के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन का आयोजन किया गया। हवन में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से आहुतियां अर्पित कर विश्व शांति, क्षेत्र में अच्छी वर्षा एवं अच्छी फसल, परिवारों की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर महंत राम किशोर दास शास्त्री ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठान एवं सामूहिक प्रार्थना से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भगवान हनुमान जी की आराधना श्रद्धालुओं को शक्ति, साहस और आत्मविश्वास प्रदान करती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने तथा समाज में आपसी भाईचारा एवं शांति बनाए रखने का आह्वान किया।

दिल्ली में होगा 141 वा अग्रवैश्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन

ग्वालियर, जीएनएस।
अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा निरंतर पूरे देश में युवक युवती परिचय सम्मेलन के माध्यम से सैकड़ों परिवारों को एक सूत्र में बांधकर सामाजिक एकता का परिचय दिया गया है लगातार 140 शहरों में परिचय सम्मेलन आयोजित करने के बाद अगला कार्यक्रम 141 वी परिचय सम्मेलन श्री अग्रसेन भवन विवेक विहार नई दिल्ली में होने जा रहा है कार्यक्रम में दिल्ली के अग्रवाल सभा एवं महिला समिति के द्वारा भी अपना पूर्ण योगदान इस कार्यक्रम में रहेगा उक्त जानकारी देते हुए राजेश ऐरन राष्ट्रीय



अध्यक्ष ने बताया कि दिल्ली में होने वाले परिचय सम्मेलन के लिए पूरे देश के अनेकों राज्यों एवं शहरों के अग्रवाल समाज के बंधु अपने विवाह योग्य बच्चों का रिश्ता करने के लिए पूर्ण रूप से उत्साहित हैं दिल्ली में होने वाले इस परिचय सम्मेलन के लिए पलवल, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, पंजाब के

बटिंडा चंडीगढ़ जालंधर लुधियाना, उत्तर प्रदेश के मेरठ अलीगढ़ नोयडा मथुरा आगरा, आदि शहरों से अभी तक 650 युवक युवतियों का पंजीयन विवाह के लिए किया जा चुका है इस आयोजन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री हर्ष महहोत्राजी केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री एवं श्री आशीष अग्रवाल राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी एवं श्री संजय गोयल जी विधायक दिल्ली कार्यक्रम में रहेंगे, एवं विशिष्ट अतिथि श्री जयगोपाल गुप्ता दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष परिचय सम्मेलन, श्री एम एल गुप्ता जी समाजसेवी विशिष्ट अतिथि होंगे इन अतिथियों को

परिचय सम्मेलन संस्था द्वारा आमंत्रित किया गया है, इस सम्मेलन में अनेकों रिश्ते ऐसे भी होंगे जिनका पूनर्विवाह होना है, उनका जीवन साथी से तलाक हो गया है और रिश्ता टूट गया है मंच पर युवक युवतियों का परिचय श्रीमती नीलम शाह, बबीता अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, रचना गोयल, मुकेश सिंघल जी के द्वारा कराया जायेगा, कार्यक्रम में अतिथि के रूप में श्रीदिल्ली अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अजय गुप्ता जी महामंत्री राजेश गुप्ता कोषाध्यक्ष अशोक गर्ग अग्रसेन भवन ट्रस्ट अध्यक्ष अनिल कंसल शिवकुमार गुप्ता जी आदि।

अचलेश्वर मंदिर पर लगा आयुर्वेदिक एवं रक्तदान शिविर, 180 लोगों की बीएमडी जांच

ग्वालियर, जीएनएस।

अचलेश्वर मंदिर परिसर में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन डॉ. प्रवेश मिश्रा एवं डॉ. देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में झंडू इमामी लिमिटेड द्वारा किया गया। शिविर में करीब 180 लोगों की बीएमडी जांच की गई। साथ ही जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। शिविर के दौरान 30 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान की व्यवस्था रेडक्रॉस ब्लड बैंक के सहयोग से की गई। इस अवसर पर अचलेश्वर ट्रस्ट के श्री राजीव चढ़ा



पूर्व सूचना सचिव महेंद्र भदकारिया, झंडू इमामी से महेंद्र सेन, सन फार्मा से दीपक जैन, डब्ल्यूपीएल से अजय वर्मा तथा नवयुवक उस्सेटें सेन समाज से राकेश सविता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे शिविर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

अवैध कच्ची शराब बिक्रय तथा रंगदारी के प्रकरणों में फरार आरोपी गिरफ्तार

गुना, जीएनएस।
गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के कुशल एवं सेवेदनशील नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में फरार आरोपियों एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु निरंतर सक्रिय एवं प्रभावी कार्यवाहियों की जा रही हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी राघौगढ़ श्रीमती दीपा डोडवे के पर्यवेक्षण में राघौगढ़ थाना पुलिस ने अवैध कच्ची शराब बिक्री तथा रंगदारी के प्रकरणों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

गौरतलब है कि दिनांक 10 मार्च 2026 को राघौगढ़ थाना पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए राघौगढ़ के रंगवाड़ी तालाब के पास से आरोपी फूल सिंह विश्वकर्मा निवासी ग्राम राजपुरा, थाना राघौगढ़ को 58 लीटर अवैध कच्ची के साथ गिरफ्तार किया गया था।
पुलिस की विवेचना में सामने आया कि उक्त अवैध शराब को राजपुरा निवासी महेन्द्र कंजर द्वारा कमीशन पर बिकवाने के लिए फूल सिंह विश्वकर्मा को उपलब्ध कराया गया था। साथ ही यह भी पता चला कि महेन्द्र कंजर अपनी मोटरसाइकिल से शराब लाकर फूल सिंह विश्वकर्मा



को देकर गया था। इस मामले में राघौगढ़ थाने पर आरोपीगण फूल सिंह विश्वकर्मा एवं महेन्द्र कंजर के विरुद्ध अप.क्र. 46/26, धारा 34(2) 49 आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया था, जिसमें आरोपी महेन्द्र कंजर घटना दिनांक से ही फरार चल रहा था।
इसी प्रकार फरियादी रज्जाक

खांन निवासी कटरा मोहल्ला, राघौगढ़ ने राघौगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह गांव-गांव जाकर कबाड़ा खरीदने का काम करता है। दिनांक 09 मार्च 2026 को सावतखेड़ी गांव के पास महेन्द्र कंजर निवासी ग्राम राजपुरा ने उसे रोककर कहा कि यदि उसे इस क्षेत्र में कबाड़ा खरीदना है तो उसे 2,000/- रुपये प्रति सप्ताह देना होंगे। उसके द्वारा रुपये देने से मना करने पर आरोपी महेन्द्र कंजर ने उसके साथ लाठी से मारपीट की। फरियादी की रिपोर्ट पर राघौगढ़ थाने में आरोपी महेन्द्र कंजर के विरुद्ध अप.क्र.

54/26, धारा 127(1), 119(1), 296(बी) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। उपरोक्त दोनों ही प्रकरणों में फरार चल रहे आरोपी महेन्द्र कंजर की राघौगढ़ थाना पुलिस द्वारा लगातार तलाश की जा रही थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय कर प्राप्त सूचनाओं के आधार पर विभिन्न स्थानों पर सघन दबिशें दी जा रही थीं। इसी क्रम में आज मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर राघौगढ़ थाना पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों ही प्रकरणों में घटना दिनांक से फरार चल रहे आरोपी महेन्द्र पुत्र

तिलक कंजर, उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम राजपुरा थाना राघौगढ़ जिला गुना को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही आरोपी द्वारा उपरोक्त दोनों ही घटनाओं में उपयोग की गई पल्सर मोटर सायकिल को भी पुलिस ने उसके कब्जे से जप्त किया गया है। राघौगढ़ थाना पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अजय जाट, उपनिरीक्षक हेमेश सिंह राजपूत, सजिन सीताराम धुर्वे, आरक्षक बलभद्र चौहान, आरक्षक धर्मेन्द्र रावत, आरक्षक अमित जाट, आरक्षक रंजीत खटीक, आरक्षक नंदकिशोर, आरक्षक दीपक राठौर एवं आरक्षक पपेन्द्र रावत की विशेष भूमिका रही है।

आने वाले चुनाव में पार्टी नहीं, प्रत्याशी देखिए: भदौरिया

ग्वालियर, जीएनएस।

जनशक्ति वेलफेयर सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष अरुणेश सिंह भदौरिया ने नागरिकों से अपील की है कि आने वाले चुनाव में जाति और पार्टी के नाम पर वोट देने के बजाय प्रत्याशी के चरित्र, ईमानदारी, योग्यता और उसके पिछले कार्यों को देखकर मतदान करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब मतदाता किसी दल या जाति का स्थायी वोट बैंक बनने के बजाय अपने विवेक से सही जनप्रतिनिधि चुनेगा।

भदौरिया ने कहा कि देश सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, तकनीक और अंतरिक्ष सहित अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ा है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में

गरीब और आम परिवार आज भी आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। प्रत्येक नागरिक को कभी अपने परिवार के साथ और कभी अकेले बैठकर यह जरूर सोचना चाहिए कि जब देश लगातार प्रगति कर रहा है, तो उसके परिवार की आर्थिक स्थिति उसी गति से क्यों नहीं बदल रही?

उन्होंने कहा कि जनता को यह सवाल भी पूछना चाहिए कि राजनीति में आने से पहले साधारण आर्थिक स्थिति में रहने वाले कुछ जनप्रतिनिधियों की संपत्ति राजनीति में आने के बाद इतनी तेजी से कैसे बढ़ गई। लोकतंत्र में जनता को अपने प्रतिनिधियों से उनके काम और सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता का हिसाब मांगने का



पूरा अधिकार है।

भदौरिया ने कहा कि गरीब को गरीबी से बाहर निकालने के बजाय उसे जातियों में बाँटकर वोट बैंक बनाने की राजनीति पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों को अवसर दिलाने के लिए संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत

किया, लेकिन जाति और आरक्षण जैसे संवेदनशील विषयों का इस्तेमाल केवल चुनावी लाभ के लिए नहीं होना चाहिए।

उन्होंने सवाल उठाया कि यदि दशकों की राजनीति के बाद भी गरीब को बार-बार अपनी जाति के आधार पर वोट देने के लिए प्रेरित किया जाता है, तो उसकी गरीबी दूर करने, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने, युवाओं को रोजगार दिलाने और परिवार को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी आखिर किसकी थी?

भदौरिया ने कहा, "जब तक हमारा वोट जाति, उर, लालच और भावनाओं में बँटता रहेगा और गुंडे, अपराधी तथा भ्रष्ट लोग सत्ता तक पहुँचते रहेंगे, तब तक चुनाव होते

रहेंगे, सरकारें बदलती रहेंगी, लेकिन गरीब की स्थिति नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में मतदाता केवल पार्टी का चुनाव चिह्न देखकर निर्णय न करें। यह देखें कि प्रत्याशी कौन है, उसका चरित्र कैसा है, उसकी आय और संपत्ति में कितनी पारदर्शिता है, जनता के बीच उसका व्यवहार कैसा रहा है और चुनाव से पहले उसने समाज के लिए वास्तव में क्या काम किया है।

उन्होंने कहा, "पार्टी अच्छी हो सकती है, लेकिन उसका हर प्रत्याशी अच्छा हो, यह जरूरी नहीं। उसी तरह एक योग्य, ईमानदार और सेवाभावी व्यक्ति किसी छोटे दल से या निर्दलीय भी चुनाव लड़ सकता है। इसलिए आने वाले

चुनाव में पार्टी नहीं-प्रत्याशी देखिए। भदौरिया ने मतदाताओं से कहा कि वे अपने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखकर मतदान करें और प्रत्याशी से पूछें कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सड़क, पानी, स्वच्छता और क्षेत्र के विकास के लिए उसकी स्पष्ट योजना क्या है।

उन्होंने कहा, "गरीबी की जंजीर तोड़ने की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकत आपका वोट है। जाति नहीं-चरित्र देखिए, पार्टी नहीं-प्रत्याशी देखिए, वादे नहीं-पिछला काम देखिए और फिर अपने विवेक से वोट दीजिए। वोट बैंक मत बनिए, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनिए। देश तभी बदलेगा, जब वोट देने का आधार बदलेगा।

श्री बाबा हीरामन (भूमिया) का मेला समारोह 10 को

ग्वालियर, जीएनएस।

श्री श्री 1008 बाबा हीरामन (भूमिया) का मेला समारोह का आयोजन 10 सितंबर को सत्यनारायण की टेकरी, घोसीपुरा, ग्वालियर पर भजन कीर्तन आयोजन के साथ प्रारंभ होगा। मेला समारोह का मुख्य आयोजन में 10 सितंबर को होगा। इसी दिन मंदिर पर सर्पदंश, बिषबेल से पीड़ित लोगों के बंध काटे जायेंगे। यह जानकारी श्री बाबा हीरामन (भूमिया) के भगत अर्जुनसिंह प्रजापति ने दी।

श्री बाबा हीरामन (भूमिया) के भगत अर्जुनसिंह प्रजापति ने

बताया कि 10 सितंबर को सुंदर काण्ड, हवन पूजन, कन्या भोज के बाद सर्पदंश, बिषबेल से पीड़ित लोगों के बंध काटे जायेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष हजारों लोग इस मेला समारोह में शामिल होते हैं। इस मेला समारोह शामिल होने के लिये श्रद्धालु बड़ी दूर से आते हैं। यहां बंध काटे जाने का अनुष्ठान रात भर चलता है। इस मेला समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ज्ञात हो कि सर्पदंश और बिषबेल से पीड़ित व्यक्ति या महिला श्री बाबा हीरामन भूमिया के मंदिर की परिक्रमा करते समय बेहोश तक भी हो जाता है, ऐसी

स्थिति में उनके परिवारजन तथा मंदिर से जुड़े लोग पीड़ित को परिक्रमा करवाते हैं। उसके बाद मंदिर के सम्मुख लाने पर भगत जी द्वारा झाड़ा दिया जाता है तब पीड़ित व्यक्ति तत्काल होश में आ जाता है। उस पीड़ित का बंध काटा जाता है, ऐसा क्रम लगातार चलता रहता है।

श्री बाबा हीरामन (भूमिया) स्मृति सेवा समिति ग्वालियर इस मेला समारोह विभिन्न समितियों भी बनाई गई है। भगत अर्जुनसिंह प्रजापति, मेला प्रभारी जवाहर प्रजापति एडवोकेट, हेम सिंह रातेला, दौलतराम प्रजापति, रामनरेश राठौर, होतम सिंह

प्रजापति, पुत्तू सिंह प्रजापति, रामलखन वर्मा, रामवरण सिंह गुर्जर, गोपाल प्रजापति, पूरनचंद्र शिवहरे, पप्पू कुशवाहा, प्रेमसिंह राजौरा, सूबेदार, बच्चू चैहान, भग्नीसिंह कुशवाहा, दिलीपसिंह कुशवाहा, राजू रौतेला, सोहनसिंह कुशवाहा, दीना ठेकेदार, मदन प्रजापति, सीताराम बाथम भगतजी, रिकू राठौर, केशव प्रसाद पण्डित जी, रमेश रौतेले, प्रहलाद प्रजापति, करन कुशवाहा आदि ने महानगर के सभी धर्मप्रेमी जनता से हीरामन भूमिया के वार्षिक मेला समारोह में पहुंचकर लाभांशित होने का आग्रह किया है।

डबरा में होटल एवं ढाबों पर प्रशासन की दबिश

अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

डबरा नगर में प्रशासन एवं पुलिस द्वारा होटल एवं ढाबों पर अवैध शराब के विक्रय एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर संयुक्त रूप से सघन जांच एवं कार्रवाई की गई। कार्रवाई में आईएस एसडीएम सुश्री नवकिरण कौर, एसडीओपी श्री सौरभ कुमार एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम शामिल रही।

पिछोर रोड स्थित ढाबों पर कार्रवाई-

संयुक्त टीम द्वारा पिछोर रोड स्थित विभिन्न ढाबों पर दबिश दी गई। जांच के दौरान न्यू हिचकी ढाबा एवं फौजी ढाबा पर शराब विक्रय का कोई वैध लाइसेंस नहीं पाया गया तथा मौके से शराब जब्त की गई।

इसके अतिरिक्त, खाद्य सुरक्षा दल द्वारा ढाबों से पनीर एवं अन्य

खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए, जिन्हें नियमानुसार जांच हेतु भेजा जाएगा।

आनंदम रेस्टोरेंट पर भी पहुंचा प्रशासनिक अमला- नगर के प्रतिष्ठित आनंदम रेस्टोरेंट में नकली पनीर परोसे जाने संबंधी शिकायत के बाद प्रशासन एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा दल ने मौके से पनीर एवं अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच हेतु सुरक्षित किए।

प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अवैध शराब के विक्रय तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। डबरा नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में संचालित अन्य होटल एवं ढाबों की भी जांच की जा रही है।

भाजपा की समर्पित कार्यकर्ता स्वर्गीय पूनम पांडेय को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

पूनम पांडेय का निधन पार्टी एवं संगठन के लिए अपूरणीय क्षति

वाराणसी, जीएनएस।

उषा गेस्ट हाउस में भारतीय जनता पार्टी सारनाथ मंडल की पूर्व मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा एवं मंडल उपाध्यक्ष रहें स्वर्गीय पूनम पांडेय की स्मृति में भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई 7 श्रद्धांजलि सभा में भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय पूनम पांडेय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके संगठन के प्रति समर्पण एवं योगदान को याद किया 7 श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए भाजपा महानगर उपाध्यक्ष कुसुम सिंह पटेल ने कहा कि स्वर्गीय पूनम पांडेय भारतीय जनता



पार्टी की कर्मठ, ईमानदार, निष्ठावान एवं समर्पित कार्यकर्ता थीं उन्होंने संगठन द्वारा दी गई प्रत्येक जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और लगन के साथ निर्वहन किया 7 उनके निधन से पार्टी ने एक समर्पित कार्यकर्ता को खो दिया है जिससे संगठन को

अपूरणीय क्षति हुई है उनका सरल, सहज एवं मिलनसार व्यक्तित्व तथा संगठन के प्रति उनका समर्पण सदैव कार्यकर्ताओं की स्मृतियों में जीवित रहेगा उन्होंने कहा कि स्वर्गीय पूनम पांडेय ने महिला मोर्चा को मजबूत करने के साथ-साथ संगठन के विभिन्न दायित्वों को पूरी जिम्मेदारी से निभाया 7 विपरीत परिस्थितियों में भी वह कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने और संगठन के कार्यों में सक्रियता से योगदान देने के लिए सदैव तत्पर रहती थीं। श्रद्धांजलि सभा में मंत्री रविंद्र जायसवाल, महानगर उपाध्यक्ष कुसुम सिंह पटेल, मिडिया प्रभारी महिला मोर्चा भाजपा अनिशा

शाही, सारनाथ मंडल अध्यक्ष अतुल सिंह, काशी क्षेत्रीय मंत्री जगदीश त्रिपाठी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह सहित सारनाथ मंडल के पार्षदगण, पदाधिकारीगण, सेक्टर संयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संध्या पांडेय, साधना सिंह, पूजा सिंह, राधा राजभर सहित महिला मोर्चा की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय पूनम पांडेय को श्रद्धांजलि अर्पित की 7 सभी ने उनके व्यक्तित्व एवं संगठन के प्रति किए गए कार्यों को याद करते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

खाद्यान्न का गबन करने वाले दो उचित मूल्य की दुकानों के संचालकों पर एफआईआर

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर शहर में संचालित दो शासकीय उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। उचित मूल्य की दुकानों से शासकीय खाद्यान्न का गबन किए जाने पर उनके विरुद्ध खाद्य विभाग द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान

के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री सौरभ जैन से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय उचित मूल्य दुकान दीपक प्राथमिक उपभोक्ता भंडार के विक्रेता अयान खत्री द्वारा 79.86 किंटल गेहूँ, 19.69 किंटल चावल एवं 499 किलोग्राम नमक का गबन किया गया। गबन किए गए

शासकीय खाद्यान्न की कुल राशि 3 लाख 25 हजार 825 रुपये है। इसी प्रकार शासकीय उचित मूल्य दुकान लोहमंडी प्राथमिक उपभोक्ता भंडार के विक्रेता राहुल खत्री द्वारा 100.07 किंटल गेहूँ, 23.53 किंटल चावल, 208 किलोग्राम नमक एवं 58 किलोग्राम शक्कर का गबन किया गया। इस खाद्यान्न की कुल

कीमत 4 लाख 60 हजार 060 रुपये है। दोनों उचित मूल्य की दुकानों के विक्रेताओं के खिलाफ पुलिस थाना ग्वालियर में इसी एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 0472 एवं 0473 दर्ज कराया गया है। साथ ही खाद्य विभाग द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी

का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर

☎ 0751-2625029

☎ 9074257600

शिवपुरी

☎ 07492-232149

☎ 8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

आखिर छात्रों की जान इतनी सस्ती क्यों है ?

नई दिल्ली, जीएनएस।

देश की राजधानी में एक बार फिर सिस्टम की लापरवाही और छात्रों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैम्पस के पास सत्य निकेतन की एक संकरी गली में रविवार दोपहर एक पांच मंजिला जर्जर इमारत अचानक भर भराकर ढह गई।

इमारत में छात्रों का पेइंग गेस्ट (क्ल) संचालित हो रहा था, हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। हादसे के बाद मलबे में छात्रों और अन्य लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई, राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचकर

रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गए, इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई और 18 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है।

मलबे से मदद के लिए आती चीखों ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोर दिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस इमारत में छात्रों की जिंदगी दांव पर लगी थी, वहां सुरक्षा के इंतजामों की जांच आखिर क्यों नहीं हुई??

दावा किया जा रहा है कि यह इमारत पिछले कई वर्षों से सुरक्षा कारणों से सील थी और हाल ही में उसे दोबारा खोल दिया गया था। यदि यह दावा सही है तो सवाल और भी गंभीर हो जाता है—आखिर



सील इमारत को खोलने की अनुमति किस आधार पर दी गई? किसने निरीक्षण किया? सुरक्षा मानकों की जांच किस अधिकारी ने की??

और अगर नियमों की अनदेखी हुई थी, तो इसकी जिम्मेदारी तय करने में इतनी देर क्यों??

हादसे के बाद मौके पर मौजूद

लोगों और छात्रों के साथियों ने राहत व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। बताया गया कि कुछ सामाजिक और छात्र संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और अपने हाथों से मलबा हटाकर बचाव कार्य में मदद करने लगे, जबकि शासन प्रशासन की तरफ से मदद काफी देर बाद पहुंची।

मलबे के नीचे दबे एक बच्चे की कथित चीख—

‘भैया, हमें बचा लो’—

ने हादसे की भयावहता को और गहरा कर दिया।

यह सिर्फ एक इमारत के गिरने की घटना नहीं है। यह उस व्यवस्था पर सवाल है जो देश के

भविष्य कहे जाने वाले छात्रों को सुरक्षित आवास तक उपलब्ध नहीं करा पा रही।

सरकार से कुछ सीधे सवाल!??

क्या छात्रों की सुरक्षा सिर्फ भाषणों और सरकारी घोषणाओं तक सीमित है??

क्या पार्टी कार्यालय और अन्य सरकारी निर्माणों की तरह सरकार हर शहर में छात्रों के लिए सरकारी हॉस्टल नहीं बना सकती!??

इसके अलावा जर्जर और असुरक्षित इमारतों में चल रहे पीजी हॉस्टल की नियमित जांच क्यों नहीं होती?? अगर ये हादसे वाली

इमारत वास्तव में पहले से सील थी, तो उसे दोबारा खोलने की अनुमति किसने दी??

इस सब सवालों पर क्या किसी अधिकारी की जवाबदेही तय होगी या कुछ दिनों बाद यह मामला भी फाइलों में दब जाएगा??

छात्र पढ़ने के लिए घर से निकलते हैं, अपनी जिंदगी और भविष्य बनाने के लिए शहरों का रुख करते हैं। उनके माता-पिता अपने बच्चों को भरोसे के साथ भेजते हैं। लेकिन जब वही बच्चे असुरक्षित इमारतों में अपनी जान गंवाने लगे तो सवाल सिर्फ प्रशासन से नहीं, पूरे सिस्टम से पूछा जाना चाहिए।

आमेर में मनीष सोनी की हत्या से पर्यटक गाइड्स में भारी आक्रोश

थाना अयोध्यानगर, जोन-02 पुलिस की ड्रग तस्क़र पर बड़ी कार्यवाही

पर्यटक गाइडों ने उठाई सुरक्षा की हुंकार — ‘पर्यटन नगरी को दबंगई और अपराध का अड्डा नहीं बनने देंगे’

जयपुर, जीएनएस।

जयपुर के वरिष्ठ पर्यटक गाइड एवम पर्यटक गाइड्स संघर्ष समिति के संयोजक रवि शंकर धाभाई ने अखबार के संवाददाता से वार्तालाप में बताया कि उन्होंने पर्यटक गाइड्स की विभिन्न महत्वपूर्ण मांगों को अपने मांग पत्रों व शहीद स्मारक पर 4 धरने आयोजन इत्यादि के माध्यम से राज्य सरकार व केंद्र सरकार से मांगो को पूर्व में ही राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री महोदय व पर्यटन विभाग के उच्च अधिकारियों को इन समस्याओं के बारे में सभी का ध्यान आकर्षित किया जा चुका था। उन्होंने आगे कहा कि आमेर में दिनांक 7 सितंबर को मनीष सोनी की हत्या पर की घोर निंदा की है और इस घटना ने आम नागरिकों, पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों तथा लाइसेंसधारी पर्यटक गाइडों में गहरा आक्रोश एवं चिंता उत्पन्न कर दी है। इस घटना को लेकर एवं सामाजिक कार्यकर्ता रवि शंकर धाभाई ने राज्य सरकार एवं पुलिस प्रशासन से मामले में तत्काल उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई एवम पीड़ित परिवार की सुरक्षा, उनके परिवार के सदस्य को सरकारी नोकरी व उचित मुआवजा, उपलब्ध करवाने की मांग की है जिससे पीड़ित परिवारजनों को समय रहते न्याय मिल सके। अन्यथा पूरे

राजस्थान में पर्यटक गाइड्स द्वारा सभी जिलों में बड़ा आंदोलन की चेतावनी दी है

पर्यटक गाइड्स के हितों की रक्षा हेतु कई गत वर्षों से प्रयास कर रहे जयपुर के वरिष्ठ समाजसेवी ने रवि शंकर धाभाई ने कहा कि आमेर केवल जयपुर या राजस्थान की पहचान नहीं, बल्कि भारत की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का विश्वस्तरीय केंद्र है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को राजस्थान की गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और विरासत से परिचित कराने में लाइसेंसधारी पर्यटक गाइड महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में यदि पर्यटन स्थलों पर भय, दबंगई, धमकी, मारपीट अथवा आपराधिक गतिविधियों का वातावरण बनेगा तो इसका सीधा प्रभाव पर्यटकों की सुरक्षा, राजस्थान की पर्यटन छवि और हजारों परिवारों की आजीविका पर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि मनीष सोनी की मौत से जुड़ी घटना को केवल एक आपराधिक घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। धाभाई ने मांग की कि आमेर क्षेत्र में नशे में वाहन चलाने, पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों से अभद्रता, मारपीट, धमकी, अवैध वसूली अथवा जबरन हस्तक्षेप करने वाले व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखी जाए। आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों के विरुद्ध कानून के तहत प्रभावी प्रतिबंधात्मक

कार्रवाई की जाए तथा नशीले पदार्थों के सेवन, बिक्री एवं तस्करी पर कठोर नियंत्रण किया जाए।

रविशंकर धाभाई जो कि पर्यटक गाइड्स की विभिन्न मांगों के लिए कई वर्षों से राज्य सरकार को आने मांग पत्रों व 4 धरने प्रदर्शन के माफ़त भी ध्यान दिला चुके हैं उन्होंने फिर एक बार मांग की कि पर्यटन स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाई जाए तथा पुलिस एवं पर्यटन विभाग की संयुक्त निगरानी व्यवस्था लागू की जाए। लाइसेंसधारी गाइडों के लिए विशेष शिकायत प्रणाली एवं नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं, ताकि किसी भी धमकी अथवा हिंसा की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई हो सके। पर्यटक गाइड्स संघर्ष समिति के संयोजक रवि शंकर धाभाई ने स्पष्ट कहा कि ‘पर्यटक सुरक्षित होगा तो राजस्थान का पर्यटन सुरक्षित होगा और पर्यटन सुरक्षित होगा तो हजारों परिवारों की रोजी-रोटी सुरक्षित होगी। किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि मनीष सोनी की मृत्यु के मामले में दोषियों को कानून के दायरे में लाकर पीड़ित परिवार को तुरंत प्रभाव से न्याय दिलाया जाए तथा आमेर सहित राजस्थान के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों पर लाइसेंसधारी पर्यटक गाइडों, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए ठोस एवं स्थायी व्यवस्था की जाए।

11 ग्राम एमडी के साथ आरोपी संदीप सिंह गिरफ्तार

नशे से दूरी, है जरूरी 2.0, अभियान अंतर्गत अवैध मादक पदार्थ तस्क़रों पर लगातार सख्त कार्यवाही हेतु पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार (भा.पु.से.) एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान (भा.पु.से.) द्वारा लगातार निर्देश जारी किये जा रहे हैं।

उक्त निर्देशों के तारतम्य में पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री विकास सहवाल (भा.पु.से.) द्वारा अभियान चलाकर मादक पदार्थ तस्क़रों पर कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये, जिस पर अति.पुलिस उपायुक्त सुश्री मिनी शुक्ला (भा.पु.से.) के नित्य पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त एम.पी. नगर संभाग सुश्री दिव्या झारिया के सतत् मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक महेश लिल्लोरे के नेतृत्व में थाना अयोध्यानगर पुलिस ने एम.डी. ड्रग्स तस्क़री कर

रहे आरोपी संदीप सिंह से लगभग 11 ग्राम एम.डी. जब्त करने में सफलता प्राप्त की।

घटना का विवरण:- वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा मामूर मुखबिरो से प्राप्त सूचना पर दशहरा मैदान अयोध्या नगर भोपाल से एक एमडी तस्क़र को पकड़ा गया, जिसके अवैध कब्जे से 10 ग्राम 83 मिली ग्राम एम.डी.ड्रग्स, एक मोबाईल, एक स्कूटी क्र एमपी 04 वाय एन 3185 कीमती करीबन 3,50,000/- रुपये का मसरूका जप्त किया गया। आरोपी ने पुछताछ में अपना नाम पता- संदीप सिंह पिता गुरमीत सिंह उम्र-40 निवासी मूल पता- अल्फा सिटी करनाल हरियाणा बताया, जो वर्ष 2021- 2025 में दुबई से बड़ोदरा में किराए का म.नं. ए-8 शांति निकेतन सोसायटी फतेहगढ़ बड़ोदरा गुजरात आकर

ट्रांसपोर्ट का काम करता था, फिर 2025 में ट्रांसपोर्ट के काम से भोपाल आया और यहीं पर महिन्द्रा टाऊनशिप 01, बावडिया कलां थाना शाहपुरा भोपाल में रहकर प्रॉपर्टी डीलरशिप का काम करने लगा। क्लब एवं बार के शौक के कारण, जब आरोपी होशंगाबाद रोड स्थित क्लब में कुछ युवक युवतियों जो ड्रग लेते थे, उनसे जान पहचान हुई और उन्हें वड़ोदरा से भोपाल लाकर ड्रग सप्लाई करने लगा। आरोपी बड़ोदरा से ?2,000/- प्रति ग्राम एमडी लाकर भोपाल में 10,000/- रुपए प्रति ग्राम तक बेचकर बड़ा मुनाफा कमाने लगा। आरोपी ने एक माह पहले बावडिया कला से किराये का फ्लैट छोड़कर अयोध्या नगर स्थित जी सेक्टर में किराये का मकान लिया ताकि जगह बदलकर आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हो सके।

जिले के स्कूलों में विशेष शिविर लगाकर किया जा रहा है मेंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार पंजीयन का काम

ग्वालियर, जीएनएस।

जिले के सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में बच्चों के मेंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार पंजीयन के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर विशेष आधार शिविर जारी हैं। गत 15 जुलाई से रोस्टर अनुसार स्कूलों में इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अब तक लगे लगभग 310

शिविरों में 9258 बच्चों के आधार पंजीयन व अपडेशन संबंधी कार्य किया जा चुका है। जिले के अन्य स्कूलों में भी रोस्टर अनुसार स्कूलों में आधार कैप का आयोजन किया जायेगा। खासतौर पर ऐसे स्कूलों में यह शिविर लगाए जा रहे हैं, जिनमें बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार पंजीयन से अधिक बच्चे शेष हैं। शिविरों में बायोमेट्रिक अपडेशन

मशीन पहुंचाई जा रही है और मौके पर ही यह अपडेशन और आधार पंजीयन का काम किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने अभियान बतौर यह कार्य जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पाँच वर्ष से ऊपर का कोई भी बच्चा मेंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार पंजीयन से शेष नहीं रहना चाहिए।

तीन माह से लापता नाबालिग बालिका को अशोकनगर से किया सुरक्षित दस्तयाब

गुना, जीएनएस।

गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के कुशल नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में नाबालिगों पर घटित अपराधों को अत्यंत गंभीरता से लेकर इनमें त्वरित, संवेदनशील और प्रभावी कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी गुना श्री विवेक अष्ठाना के पर्यवेक्षण में म्याना प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सिंह भदौरिया और उनकी टीम द्वारा थाना क्षेत्र से करीबन साढ़े तीन माह से लापता नाबालिग बालिका को अशोकनगर से सुरक्षित

दस्तयाब कर उसके अपहरण एवं दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 23 मई 2026 को म्याना थाने पर एक पिता द्वारा अपनी 17 वर्षीय पुत्री के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिस पर से म्याना थाने में अपराध क्रमांक 121/26, धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया था।

म्याना थाना पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका की तलाश के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसमें पुलिस द्वारा विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाश एवं आवश्यक



तकनीकी एवं मैदानी प्रयास किए गए। जिसके क्रम में गत दिनांक 07 सितंबर 2026 को प्रकरण में अपहृत नाबालिग बालिका के अशोकनगर में होने की जानकारी मिलने पर म्याना थाने से तत्काल

पुलिस की एक टीम अशोकनगर के लिए रवाना हुई और जहां से पुलिस टीम द्वारा अपहृता को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। दस्तयाबी के उपरांत पीड़िता के कथनों के आधार पर आरोपी अधिषेक कुशवाह

निवासी ग्राम भीकली, थाना पिपरई, जिला अशोकनगर के विरुद्ध प्रकरण में धारा 64(1), 64(2)(ब्र) बीएनएस तथा धारा 5४6 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया जाकर आरोपी अधिषेक कुशवाह पुत्र बीरबल उर्फ बलवीर कुशवाह, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम भीकली, थाना पिपरई, जिला अशोकनगर को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपी को अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय गुना के समक्ष पेश किया जा रहा है।

गुना पुलिस द्वारा गुमशुदा एवं अपहृत नाबालिग बालक-

बालिकाओं की तलाश को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी सुरक्षित दस्तयाबी एवं परिजनों से पुनर्मिलन के लिए लगातार संवेदनशीलता के साथ कार्यवाहियां की जा रही हैं। म्याना थाना पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सिंह भदौरिया, उपनिरीक्षक बुन्देल सिंह सुनेरिया, उपनिरीक्षक विजय सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक सतीश जैन, प्रधान आरक्षक दीपक तोमर, आरक्षक रंजीत जाटव, आरक्षक सुनील यादव, महिला आरक्षक पूनम रघुवंशी एवं महिला आरक्षक दीपशिखा लोधी की सराहनीय भूमिका रही है।

गणेश चतुर्थी महोत्सव 14 से, झांकियों की तैयारी में जुटा युवा वर्ग

पोरसा, जीएनएस।

प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी महाराज की आराधना का पर्व गणेश चतुर्थी महोत्सव 14 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। गणेश उत्सव को लेकर शहर में तैयारियां तेज हो गई हैं। विभिन्न स्थानों पर भगवान गणेश जी की आकर्षक झांकियां सजाने के लिए युवा वर्ग उत्साह के साथ तैयारियों में जुटा हुआ है। पंडालों को आकर्षक रूप देने के साथ ही विद्युत सजावट, धार्मिक कार्यक्रमों और भक्ति संगीत की तैयारियां भी की जा रही हैं।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर

श्रद्धालु विधि-विधान के साथ भगवान गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद पूरे उत्सव के दौरान प्रतिदिन गणपति की आरती, भजन-कीर्तन एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शहर में जगह-जगह गणेश पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

स्थानीय आयोजकों के अनुसार गणेश महोत्सव का आयोजन 14 सितंबर से प्रारंभ होकर एकादशी एवं पूर्णिमा तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ

चलेगा। इस दौरान भगवान गणेश जी की झांकियों को विशेष रूप से सजाया जाएगा। कई स्थानों पर अलग-अलग थीम पर झांकियां तैयार करने की योजना है, जिनमें धार्मिक एवं सामाजिक संदेश भी दिए जाएंगे। युवा वर्ग में गणेश उत्सव को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। युवा अपने-अपने क्षेत्रों में पंडाल तैयार करने, प्रतिमाओं की स्थापना, सजावट और विद्युत व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। देर शाम तक तैयारियों का दौर जारी है।

प्रथम पूज्य हैं भगवान

गणेश: धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्री गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य, धार्मिक अनुष्ठान या मांगलिक कार्य की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा से करने की परंपरा है। उन्हें विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता कहा जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन और श्रद्धा से भगवान गणेश की आराधना करने से जीवन में आने वाले विघ्न दूर होते हैं और सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान गणेश बुद्धि, विवेक, ज्ञान और शुभता के प्रतीक भी माने जाते हैं। विद्यार्थियों द्वारा ज्ञान एवं

सफलता के लिए, व्यापारी वर्ग द्वारा कारोबार में उन्नति के लिए तथा परिवारों द्वारा सुख-शांति और समृद्धि की कामना से गणपति की पूजा की जाती है।

गणेश उत्सव से मिलते हैं धार्मिक और सामाजिक लाभ
गणेश उत्सव केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह समाज में एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। सामूहिक रूप से आयोजित होने वाले भजन, आरती और धार्मिक कार्यक्रमों में सभी वर्गों के लोग शामिल होते हैं। इससे

आपसी मेल-जोल बढ़ता है और नई पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

गणेश जी की आराधना से श्रद्धालु सकारात्मक सोच, धैर्य, आत्मविश्वास और विवेक की प्रेरणा लेते हैं। धार्मिक दृष्टि से गणेश पूजा को कार्यों में सफलता और बाधाओं से मुक्ति की कामना से जोड़ा जाता है। वहीं गणेश उत्सव के सामूहिक आयोजन से युवाओं में सेवा, संगठन और सामाजिक सहभागिता की भावना भी विकसित होती है।

निगम जनसुनवाई में अपर आयुक्त ने सुनी जन समस्याएं

ग्वालियर, जीएनएस।

आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम ग्वालियर में अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 18 शताब्दीपुरम के निवासी गणों ने आवेदन देकर बताया कि दो माह से पानी की सप्लाई में गंदा पान आने क्षेत्र में पीने की पानी की समस्या आ रही है, आवेदकों ने उचित कार्यवाही के संबंध में, वार्ड 64 खेरिया पुरानी छावनी निवासी श्री



छविराम शर्मा ने आवेदन देकर बताया कि मंदिर हेतु आरक्षित शासकीय भूमि पर कुछ स्थानीय द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण किया जा रहा है, आवेदक ने उचित कार्यवाही के संबंध में आवेदन दिया, इसके साथ ही वार्ड 21 बैंक कॉलोनी निवासी परमल सिंह व अन्य ने आवेदन देकर बताया कि बैंक कॉलोनी कृष्णा नगर में स्थित पानी की टंकी के बगल से पार्क की बाड़ें से सटकर बैंक कॉलोनी से मेन रोड तक आम रास्ता है, जिसे बंद करने के लिए अवैध रूप से दीवार का निर्माण किया जा रहा है।

दर्पण हॉकी फीडर सेंटर ग्वालियर के लक्ष्य राणा राज्य पुरुष हॉकी अकादमी भोपाल में हुए चयनित

ग्वालियर, जीएनएस।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ हॉकी फीडर सेंटर दर्पण हॉकी फीडर सेंटर ग्वालियर के लक्ष्य राणा का चयन राज्य पुरुष हॉकी अकादमी भोपाल के लिए हुआ है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए लक्ष्य राणा के प्रशिक्षक एवं दर्पण हॉकी फीडर सेंटर के मुख्य प्रशिक्षक अविनाश भटनागर ने बताया कि लक्ष्य राणा भोपाल हॉकी अकादमी में मुख्य प्रशिक्षक ओलंपियन समीर दाद से

हॉकी की बड़ी क्या सीखेंगे, इसके साथ ही खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश द्वारा संचालित हॉकी अकादमी भोपाल में निशुल्क प्रशिक्षण के साथ-साथ भोजन व्यवस्था, आवास व्यवस्था, शिक्षा की व्यवस्था एवं खेल से संबंधित सभी प्रकार के उच्च स्तरीय खेल उपकरण एवं सुविधा उन्हें निशुल्क प्राप्त होगी। अविनाश भटनागर में आशा व्यक्त की है कि लक्ष्य राणा भविष्य में मध्य प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

करैरा में अवैध मदिरा के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई: 45 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त, 6,500 किलो लहान नष्ट, 4 प्रकरण दर्ज

शिवपुरी, जीएनएस।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार शिवपुरी जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु आबकारी विभाग द्वारा वृत्त करैरा में सघन छापामार अभियान चलाया गया। जिला आबकारी अधिकारी श्री शुभम दांगोड़े एवं वृत्त प्रभारी श्री तीर्थराज भारद्वाज के नेतृत्व में आबकारी टीम ने करैरा क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर 45 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त की और 6,500 किलो गुड़ लहान मौके पर नष्ट किया।

जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि सागर जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों की दुखद घटना



के मद्देनजर शिवपुरी जिले में इस प्रकार की किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा एवं आबकारी उपायुक्त के स्पष्ट निर्देशों पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आम जनता से प्राप्त शिकायतों एवं सूचनाओं के आधार पर संवेदनशील क्षेत्रों में सघन चेकिंग और निगरानी निरंतर जारी है।

अभियान के दौरान टीम ने फतेहपुर कंजर डेरे पर दबिश देकर शराब और लहान जब्त कर नष्ट करने की कार्रवाई की। वहीं मंगला माता मंदिर के पास अवैध शराब बेचते हुए आरोपी प्रार्थना कंजर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी करैरा श्री अनुपम शर्मा के नेतृत्व में अशोक होटल

पहाड़ी पर छापामार कार्रवाई कर 1 प्रकरण दर्ज किया गया। इस प्रकार आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 4 अपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। उक्त संपूर्ण कार्रवाई में वृत्त प्रभारी डॉ. तीर्थराज भारद्वाज, उपनिरीक्षक राहुल गुप्ता, बृजराज शर्मा, लौकेश बेवारिया तथा आबकारी की अन्य टीम मौजूद रही। जिला आबकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी नशीले पदार्थों और अवैध शराब के विरुद्ध इस प्रकार का चेकिंग अभियान और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अवैध कारोबार में लिप्त दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी ताकि जिले में अवैध मदिरा के संचालन पर रोक लगाई जा सके।

रज्जन खान के नगर कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर स्वागत

दतिया, जीएनएस।

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार, जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी रामलखन सिंह डंडोतिया, दतिया विधायक घनश्याम सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा, विधानसभा प्रभारी दशरथ सिंह गुर्जर एवं जिला कांग्रेस संगठन महासचिव नरेन्द्र गुर्जर की अनुशंसा पर रज्जन खान को दतिया शहर नगर कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया है रज्जन खान



की नियुक्ति पर मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय जवाहर भवन में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया और मिठाई खिलाकर बधाई दी इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं

ने कहा कि रज्जन खान के नेतृत्व में शहर कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी उन्होंने उम्मीद जताई कि वे कांग्रेस की विचारधारा, नीतियों एवं जनहित के मुद्दों को लेकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे बही नवनिर्वाचित नगर कांग्रेस अध्यक्ष रज्जन खान ने सभी वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो

जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे उन्होंने कहा सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने और आमजन के मुद्दों को मजबूती से उठाने का कार्य करेंगे इस अवसर पर दतिया विधायक घनश्याम सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा, जिला कांग्रेस संगठन महासचिव नरेन्द्र गुर्जर, शहर ब्लॉक अध्यक्ष अजय शुक्ला, संतोष लिटोरिया आदि।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई निःशुल्क छात्रावास शिवपुरी का आयोजन, बच्चों को प्रमाण पत्र एवं लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की तस्वीर देकर किया सम्मानित

सम्मान समारोह : शिक्षकों और मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

शिवपुरी जीएनएस

शिक्षक दिवस के अवसर पर लोकमाता देवी अहिल्याबाई निःशुल्क छात्रावास, शिवपुरी द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, मेधावी विद्यार्थियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों का सम्मान किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की सभी तस्वीरें पुरानी शिवपुरी मंडल

उपाध्यक्ष होतम सिंह बघेल द्वारा प्रदान की गई। इन तस्वीरों को विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को भेंट कर लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के आदर्शों और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और मेहनत को जीवन का आधार बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के



लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए। महेंद्र सिंह बघेल, युवा जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय पाल महासभा ने निःशुल्क छात्रावास की गतिविधियों की

सराहना करते हुए समाज के लोगों से छात्रावास के संचालन एवं विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए हर्संभव सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद

बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। समारोह में होतम सिंह बघेल सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

भगवत सिंह बघेल ने किया मंच संचालन : कार्यक्रम का मंच संचालन भगवत सिंह बघेल ने किया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत किया। वहीं कार्यक्रम के अंत में भोटुराम बघेल ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त

किया।

ये रहे मौजूद : समारोह में अजब सिंह बघेल, भान सिंह बघेल, जगपाल जनपद सदस्य, मोहब्बत सिंह बघेल, जिला अध्यक्ष प्रकाश पाल, संतोष पाल, भगवान सिंह बघेल, पंकज, रामजीलाल, छात्रावास अध्यक्ष शीशपालवारा, सीताराम पाल, अर्जुन पाल, केदार सिंह, शिक्षक जगन्नाथ सिंह, शिक्षक रणवीर सिंह बघेल एवं शिक्षक दीपक पाल, बैराड़ सहित बड़ी संख्या में समाजजन, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सतपाल जी महाराज का त्रिदिवसीय जन्मोत्सव समारोहपूर्वक संपन्न सत्संग में सद्गुरु की महत्ता पर दिया संदेश, स्वास्थ्य शिविर में करीब 300 मरीजों का परीक्षण

ग्वालियर जीएनएस
मानव उत्थान सेवा समिति ग्वालियर के तत्वावधान में ग्राम खेरिया आश्रम में सद्गुरु श्री सतपाल जी महाराज का त्रिदिवसीय जन्मोत्सव समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन में महाराज के अनुयायियों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में सत्संग के माध्यम से मानव जीवन में सद्गुरु की आवश्यकता और उनकी महत्ता पर प्रकाश डाला गया। सद्गुरु के परम शिष्य महात्मा सारथानंद जी,



महात्मा वर्धमानानंद जी और साध्वी हरिशा बाई जी ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सद्गुरु के ज्ञान और मार्गदर्शन से मानव जीवन को सही दिशा मिलती है।

समारोह में श्रीगोपाल भाई एवं

उनके साथियों ने भजन-संगीत की प्रस्तुतियां दीं। श्रद्धालुओं ने भजनों पर नृत्य कर जन्मोत्सव की खुशियां मनाईं।

आयोजन के दौरान निशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। मेट्रो हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ.

कुकुरेजा और उनकी टीम ने करीब 300 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। समारोह के समापन पर महाआरती हुई, जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

आयोजन की सफलता पर समिति की ओर से राम बाबू कटारे, राजेश बंसल, दयाल जोशी, मुरारीलाल राजपूत, जयंत सर्वटे, रमेश भाई, गौरव गुप्ता, रामदास चौरसिया, राजेंद्र पटवा, संजय कटारे, विजय मीणा, कांशीराम सहित अन्य सदस्यों ने सभी सहयोगियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

रेखा धौलाखंडी को भाजपा जिला कार्यसमिति में मिली जगह

संगठन में अनुभव का मिलेगा लाभ, पूर्व में जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुकी हैं



ग्वालियर जीएनएस
भारतीय जनता पार्टी ने संगठन में रेखा धौलाखंडी को नई जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें भाजपा ग्वालियर महानगर की जिला कार्यसमिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। धौलाखंडी इससे पहले पार्टी में जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी निभा चुकी हैं।

उनकी नियुक्ति की जानकारी सामने आते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने प्रसन्नता जताते हुए उन्हें बधाई दी। कार्यकर्ताओं का

कहना है कि संगठन में लंबे अनुभव, सक्रियता और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय का लाभ पार्टी को मिलेगा। पार्टी कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि नई जिम्मेदारी के साथ रेखा धौलाखंडी संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने और पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता ने सुनीं समस्याएं जीडीए की जनसुनवाई में 38 में से 27 प्रकरणों का मौके पर निराकरण



ग्वालियर जीएनएस
ग्वालियर विकास प्राधिकरण (जीडीए) कार्यालय में मंगलवार को वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में जनसुनवाई आयोजित की गई। इसमें हितग्राहियों की विभिन्न समस्याओं को सुना गया। जनसुनवाई में कुल 38 प्रकरण सामने आए, जिनमें से 27 का मौके पर ही निराकरण कराया गया।

शेष प्रकरणों में हितग्राहियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए वाइस चेयरमैन ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित, प्रभावी और संतोषजनक समाधान

के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही सर्वोपरि संकल्प है और हितग्राहियों की समस्याओं का समय पर निराकरण करना प्राथमिकता है। जनसुनवाई में जीडीए के संपदा अधिकारी विकास सिंह भदौरिया, भू-अर्जन अधिकारी बृजेश शर्मा, कार्यपालन यंत्री देवेन्द्र गुप्ता, सहायक यंत्री सुनील शुक्ला, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, तकनीकी शाखा प्रभारी, कार्यालय अधीक्षक, भूखंड प्रभारी सदीप तिवारी, मनोज माथुर, अशोक इंगले सहित विभिन्न शाखाओं के विभाग प्रमुख और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवोदय विद्यालय में 9वीं-11वीं में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

ग्वालियर जीएनएस
जवाहर नवोदय विद्यालयों में सत्र 2027-28 के दौरान कक्षा 9वीं और 11वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए लेटरल एंट्री चयन परीक्षा-2027 आयोजित की जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रधानाचार्य पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पिछोर सीमा सिंह के अनुसार नवोदय विद्यालय समिति, नोएडा की ओर से कक्षा 9वीं और 11वीं की रिक्त सीटों को भरने के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा के लिए आवेदन पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। प्रवेश परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी और आवश्यक दिशा-निर्देश ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को आवेदन करने से पहले सभी निर्देश ध्यानपूर्वक पढ़ने और अंतिम तिथि से पहले आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है।

शिक्षिकाओं को स्मृति चिह्न भेंट कर बढ़ाया हौसला जरूरतमंद बच्चों को बांटा स्वल्पाहार, शिक्षिकाओं का किया गया सम्मान

ग्वालियर जीएनएस
जैन मिलन महिला रत्नत्रय विनय नगर ग्वालियर की ओर से मंगलवार को कैथावाली स्थित सेवा भारती मध्य भारत महानगर ग्वालियर के बालक छात्रावास में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रावास में निवासरत निर्धन छात्र-छात्राओं को स्वल्पाहार वितरित किया गया। साथ ही सेवा भारती की शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक प्रवीण गंगवाल रहे। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय संयोजिका संजू जैन थीं, जबकि अध्यक्षता जैन मिलन महिला रत्नत्रय की अध्यक्ष मनीषा जैन ने की। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष मनीषा जैन, सचिव वंदना जैन और कोषाध्यक्ष अलका जैन ने चंदन तिलक लगाकर किया।

सेवा भारती महानगर की सचिव विनीता गोधा ने छात्रावास



की गतिविधियों और व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इसके बाद अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को स्वल्पाहार वितरित किया। सेवा भारती की शिक्षिकाओं को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि प्रवीण गंगवाल ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों के सुनहरे भविष्य को संवारने के लिए सेवा और समर्पण जरूरी है। बच्चों को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन, प्रेम और देखभाल उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इन शिक्षिकाओं का हुआ सम्मान : कार्यक्रम में सेवा भारती मध्य भारत महानगर विभाग की शिक्षिकाओं संगीता सोनी, खुशबू जादौन, रेनु भदौरिया, अर्चना नामदेव, निशा सिकरवार, करिश्मा मांझी, अंजू माहौर, हेमलता साहू, वंदना गुप्ता, रंगनी धाकड़, राखी, रचना कुशवाह, मीना मित्तल और सत्येंद्र सिंह राजपूत को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संरक्षक किरण गंगवाल, उर्मिला जैन और अंजना गोधा सहित अन्य सदस्य

लंबित मामलों के समझौते से निराकरण का मौका, बिजली-बैंक समेत कई मामलों में मिलेगी छूट

12 सितंबर को लगेगी नेशनल लोक अदालत, प्रचार वाहन से करेंगे लोगों को जागरूक

ग्वालियर जीएनएस
जिले में 12 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मंगलवार को जिला न्यायालय परिसर से प्रचार वाहन रवाना किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष ललित किशोर ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वावधान और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर



के निर्देश पर जिला न्यायालय ग्वालियर, कुटुंब न्यायालय ग्वालियर तथा तहसील विधिक सेवा समिति डबरा और भितरवार में लोक अदालत आयोजित होगी। प्रचार वाहन शहर के सभी

शहरी वाडों, बस्तियों, प्रमुख सार्वजनिक स्थलों और चौराहों पर पहुंचकर लोगों को लोक अदालत की जानकारी देगा। ऑडियो जिंगल के माध्यम से आमजन को लंबित प्रकरणों का आपसी राजीनामे से

निराकरण कराने के लिए जागरूक किया जाएगा। साथ ही विद्युत वितरण कंपनी, नगर निगम, बीएसएनएल, बैंकिंग एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं से जुड़े मामलों में उपलब्ध छूट की जानकारी भी दी जाएगी। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) नवीन शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत कुमार पाण्डेय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुष्पेंद्र सिंह सहित न्यायिक अधिकारी-कर्मचारी, लीगल एड डिफेंस कार्डसिल के अधिवक्ता और पैरालीगल वालंटियर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल जीएनएस
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश में 'श्वेत क्रांति' के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि सहकारिता से भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और

लाखों पशुपालक किसानों के जीवन में समृद्धि का नया अध्याय लिखने में डॉ. कुरियन का योगदान अविस्मरणीय है। किसानों के सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाले उनके विचार और कार्य सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

सत्रहवीं पुण्यतिथि पर शत-शत नमन
स्व. श्री अरविन्द राकेश शर्मा
हम सब परिवारजन आपकी सत्रहवीं पुण्यतिथि पर सजल नेत्रों से आपको श्रद्धासुलन अर्पित करते हैं तथा आपके बताये रास्ते पर चलने का संकल्प लेते हैं।
श्रद्धांत परिवार
(वामन-पुत्री) डॉ. रोहित श्रीवास्तव-डॉ. रितु शर्मा श्रीवास्तव, श्री मयंक शर्मा-श्रीमती रेखु शर्मा
रमूद्वि, रुही, रुचिका (नर्तिका) शिवांश (नर्तकी) समस्त शर्मा परिवार एवं मित्रगण
● मे. आर.डी. शर्मा एण्ड सन्स कैंटीन, ग्वालियर, महोबा
● पुष्पा अरविन्द राकेश शर्मा वेलफेयर सोसायटी
दिनांक 09.09.2026
निवास - 26, लक्ष्मण गंज, भाजी वाली नरिया, झाँसी मोबा. 07697955596, 8726160208